@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 22 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 349 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चुनावी पारदर्शिता पर घमासान, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

दो चुनाव आयुक्तों ने विवादित कार्य-वितरण आदेश पर कैबिनेट सचिव को लिखा था पत्र, आरटीआई से सामने आया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच दो महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए हैं। एक ओर आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, दो चुनाव आयुक्तों ने विवादित कार्य-वितरण आदेश को लेकर सीधे कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मामले में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर संवैधानिक अदालतें हस्तक्षेप कर सकती हैं।

दोनों घटनाक्रम अलग-अलग मामलों से संबंधित हैं, लेकिन इनके केंद्र में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, संस्थागत जवाबदेही और निष्पक्षता का सवाल है। एक मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई को विवादित कार्य-वितरण आदेश के संबंध में कैबिनेट सचिव को पत्र लिखे थे। इस मामले में दोनों आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सीधे पत्र नहीं लिखा था।



हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची पार्टी

वाईएसआरसीपी ने इससे पहले आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका दायर कर संभावित हिंसा को देखते हुए सुरक्षा उपाय करने की मांग की थी। रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट ने 15 अक्टूबर को पूर्व-सुरक्षात्मक उपायों की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद नामांकन की समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध भी स्वीकार नहीं किया गया, जिसके बाद पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंची। राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग ने याचिका का विरोध किया था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि विपक्षी दल की ओर से नामांकन प्रक्रिया में बाधा के समर्थन में वीडियो और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। ऐसी स्थिति में अदालत न्यायिक समीक्षा की अपनी भूमिका से पूरी तरह पीछे नहीं हट सकती।

चुनावी प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव मामलों में न्यायिक संयम के महत्व को भी रेखांकित किया। सामान्य तौर पर चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के माध्यम से निर्धारित समयसीमा में पूरा होने देना आवश्यक है। लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि प्रथम दृष्टया उम्मीदवारों को नामांकन से रोकने या चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की आशंका सामने आती है, तो संवैधानिक अदालतें आवश्यक निर्देश दे सकती हैं।

जवाबदेही और पारदर्शिता पर टिकी नजर

चुनाव आयुक्तों के पत्राचार और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने चुनावी संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा जवाबदेही को लेकर बहस को तेज किया है। हालांकि, दोनों मामलों की परिस्थितियां अलग हैं। एक ओर विवादित कार्य-वितरण आदेश और आयुक्तों के पत्रों की पूरी जानकारी सामने आना बाकी है, वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन संबंधी शिकायत पर राज्य चुनाव आयोग को निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस संबंध में 24 सितंबर को आरटीआई आवेदन दाखिल किया गया था। कैबिनेट सचिवालय ने 19 अक्टूबर को जवाब देते हुए बताया कि दोनों पत्र 29 जुलाई को प्राप्त हुए और 30 जुलाई को दर्ज किए गए। इसके बाद पांच अगस्त तक उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) तथा मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय को भेज दिया गया।

आरटीआई के जवाब में पत्रों की विषयवस्तु सार्वजनिक नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित दस्तावेजों में आयुक्तों के पत्रों के 10 पन्ने, जवाब के दो पन्ने और फाइल नोटिंग के दो पन्ने शामिल हैं। इस तरह कुल 14 पन्नों के दस्तावेजों का उल्लेख किया गया है।

पत्रों की सामग्री सामने नहीं आने से यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों आयुक्तों ने क्या आपत्तियां दर्ज कराई थीं और कैबिनेट सचिवालय की ओर से क्या जवाब दिया गया। फिलहाल आरटीआई से पत्रों के अस्तित्व, उनके प्राप्त होने की तारीख और आगे भेजे जाने की प्रक्रिया की जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, विवाद की शुरूआत 28 जुलाई को जारी कार्य-वितरण आदेश से हुई। बताया गया कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस आदेश पर आपत्ति जताई थी और इसे नियमों के अनुरूप नहीं माना था।

7 दिन बाद सौरभ और आशुतोष तिहाड़ से हुए रिहा



नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) अदालत ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को रिहा करने का आदेश दिया। दोनों नेताओं को दो दिन की न्यायिक हिरासत के बाद अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उनकी हिरासत तीन दिन बढ़ाने की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया। इससे पहले दोनों नेताओं ने अपनी न्यायिक हिरासत को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय में दोनों नेताओं की उम्र का उल्लेख हुआ। उनके वकील ने बताया कि सौरव दास 27 वर्ष और आशुतोष रांका 31 वर्ष के हैं। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि वे जेन-जी आयु वर्ग के नहीं हैं। न्यायाधीश ने मिलेनियल्स और जेन-जी की आयु सीमा को लेकर भी सवाल किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि शांति भंग होने की आशंका के मामलों में संबंधित व्यक्ति की पहचान, उसकी भूमिका और संगठन के उद्देश्य जैसे पहलुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह भी कहा कि विरोध करना अधिकार है, लेकिन शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका होने पर मजिस्ट्रेट को सभी संबंधित परिस्थितियों पर विचार करना होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, वैश्विक अनिश्चितता से चुनौतियां बरकरार : आरबीआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, हालांकि ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव का असर घरेलू आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। मौद्रिक नीति समिति की 5 से 7 अक्टूबर तक हुई बैठक का विवरण जारी करते हुए आरबीआई ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अगस्त में लगाए गए 6.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव और कमजोर मानसून कृषि तथा ग्रामीण मांग के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। हालांकि, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, सरकारी नीतियां और आपूर्ति स्त्रोतों में विविधता इन प्रभावों को कम करने में मदद करेंगी। आरबीआई ने महंगाई को लेकर भी चिंता जताई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई के आगामी तिमाहियों में बढ़ने की आशंका है। सेवा क्षेत्र में तेजी, स्थिर रोजगार और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च से घरेलू मांग तथा निवेश को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि भविष्य की मौद्रिक नीति वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक वृद्धि और महंगाई के रुझानों को ध्यान में रखकर तय की जाएगी।

जम्मू में 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलो अफीम बरामद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अरनिया सेक्टर के तलहार गांव से 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलोग्राम अफीम बरामद की है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन संजीवनी' के तहत की गई। पुलिस को आशंका है कि नशीले पदार्थों की तस्करी में ड्रोन के जरिए सक्रिय सीमा पार नेटवर्क की भूमिका हो सकती है। पुलिस के अनुसार, आरएस पुरा थाने को सूचना मिली थी कि सुचेतगढ़ तहसील के कोटली मिर्डियन निवासी सनी कुमार (26) गांव के पास एक खाई के निकट नशीले पदार्थों का सेवन कर रहा है। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ और जांच में उसके कथित तौर पर ऐसे गिरोह से जुड़े होने की जानकारी मिली, जिसका संबंध ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ गिराने से हो सकता है। इसके आधार पर आरएस पुरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तलहार इलाके में कार्रवाई कर नशीले पदार्थ बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में नशीले पदार्थ पहुंचाने की आशंका जताई गई है। पुलिस खेप के स्रोत, इसे पहुंचाने वाले लोगों और नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों का पता लगा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और नशा तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कांग्रेस विफल रही : नितिन नवीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को जनसंघ के 75वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले गरीबी हटाने की बातें तो होती थीं, लेकिन सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता था। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के विचारों से शुरू हुआ जनसंघ आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुका है।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में नितिन नवीन ने कहा कि जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को सीमित संसाधनों के बीच हुई थी। उस समय कार्यकताओं के सामने अनेक



चुनौतियां थीं, लेकिन उनका संकल्प संगठन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना था। आज की पीढ़ी को वरिष्ठ नेताओं के संघर्ष, सादगी और समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नीतियों और योजनाओं में आगे बढ़ाया है। जनधन जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने और सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को विकसित भारत और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने संगठन के विस्तार में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के योगदान को भी याद किया।

नितिन नवीन ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बदलते समय और नई तकनीकों के साथ आगे बढ़ें, लेकिन पार्टी के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रहित के विचारों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठों के अनुभव और संघर्ष से सीखना जरूरी है।

'मैं ट्रैवल एजेंट हूं क्या?' राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर बोले शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि वह कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हैं। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों ने उनसे पूछा कि दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी विदेश क्यों गए हैं। इस पर थरूर ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारियां होती हैं और वह इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

थरूर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले 90 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा करते हुए सवाल किया कि यदि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से हटाए गए, तो एसआईआर कराने का क्या फायदा हुआ? उन्होंने फॉर्म-6 और फॉर्म-7 के इस्तेमाल तथा वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाने के फैसले पर भी सवाल उठाए।

थरूर ने कहा कि कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही तय करने और उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली होगी।

इस बीच, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आम सहमति बनाने संबंधी बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि विपक्ष से दूरी बनाकर आम सहमति कैसे बनाई जा सकती है और प्रधानमंत्री ने अब तक कितनी सर्वदलीय बैठकें बुलाई हैं।

एसआईआर पर केंद्र और चुनाव आयोग को घेरा, मतदाता सूची से नाम हटाने पर उठाए सवाल



शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 425 करोड़ रु0 से अधिक की सहायता प्रदान की गई

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 21 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा, समाज की शान्ति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के प्रति पूरा देश सदैव कृतज्ञ रहेगा। शहीदों का बलिदान केवल स्मारकों पर अंकित नामों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र की नैतिक चेतना में सदैव जीवित रहता है। उनका साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस बल के सम्मान, कल्याण, आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण और कार्यक्षमता में वृद्धि के साथ-साथ प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री जी आज यहाँ रिजर्व पुलिस लाइन्स में 'पुलिस स्मृति दिवस-2026' के अवसर पर आयोजित 'स्मृति परेड' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि दी तथा शहीद पुलिस कर्मियों के स्वजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने स्मृति परेड की सलामी ली तथा शोक पुस्तिका प्राप्त की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार पुलिस बल के कल्याण और उनकी कार्य परिस्थितियों में सुधार के लिए लगातार कदम उठा रही है। फील्ड ड्यूटी में तैनात उपनिरीक्षक और निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मियों के मोटरसाइकिल भत्ते को 700 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह किया जा रहा है। पी0पी0एस0 अधिकारियों के यूनिफॉर्म भत्ते को 6,400 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये किया जा रहा है। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात आरक्षियों और मुख्य आरक्षियों के सिम भत्ते को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लगातार फील्ड में रहना पड़ता है। कई बार उन्हें लम्बी दूरी तय करनी पड़ती है और कठिन परिस्थितियों में भी तत्पर रहना पड़ता है। उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भत्तों में



वृद्धि की जा रही है, ताकि वे बेहतर सुविधाओं के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। विगत 01 वर्ष में देशभर में 154 पुलिसकर्मियों ने प्राणों की आहुति देकर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। इनमें उत्तर प्रदेश के 06 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने प्रदेश के वीर बलिदानियों-उपनिरीक्षक श्री सत्यभान सिंह, उपनिरीक्षक श्री मोहित कुमार यादव, आरक्षी श्री अशोक कुमार, आरक्षी श्री प्रदीप कुमार, फायर सर्विस चालक श्री तीर्थपाल सिंह और फायरमैन रोहित कुमार का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इन वीर पुलिसकर्मियों ने नागरिकों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और राष्ट्र की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। उनका बलिदान पुलिस बल की गौरवशाली परम्परा का हिस्सा है। राष्ट्र उनकी सेवाओं को सदैव याद रखेगा और उनका त्याग आने वाली पी?यों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। पुलिस स्मृति दिवस का महत्व केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने तक सीमित नहीं है। यह अवसर हमें उन परिवारों के त्याग को समझने का भी अवसर देता है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों को खोया है। शहीदों के परिवारों का सम्मान और उनकी सहायता सुनिश्चित करना सरकार तथा समाज का साझा दायित्व है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद अपराध के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में उत्तर प्रदेश पुलिस के 18 पुलिसकर्मी शहीद हुए और 1,953 पुलिसकर्मी घायल हुए। शहीद निरीक्षक श्री सुनील कुमार को इस वर्ष मरणोपरान्त राष्ट्रपति जी द्वारा सम्मानित किया गया है। कर्तव्यपालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान पूरे पुलिस संगठन और राष्ट्र का सम्मान है। पुलिसकर्मियों की बहादुरी और त्याग का मूल्य किसी आँकड़े में सीमित नहीं किया जा सकता। प्रत्येक शहीद के पीछे एक परिवार, अनेक सपने और जीवनभर की स्मृतियाँ होती हैं। शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को पुलिस सहायता पैकेज के अन्तर्गत 425 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री जी ने पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उनके कल्याण, सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। पुलिसकर्मियों का मनोबल मजबूत करना तथा शहीद परिवारों को सहायता उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

शेष पृष्ठ 3 पर

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान करंट से तीन की मौत, 11 झुलसे

दो सगे भाइयों की भी गई जान, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने फोरलेन पर लगाया जाम

गोरखपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में बुधवार शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं समेत 11 लोग झुलस गए। मृतकों में दो सगे भाई शामिल हैं। सभी घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव के चौहान टोला में स्थापित दुर्गा प्रतिमा को बुधवार शाम करीब पांच बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली पर रखकर कोलुहा घाट विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था। जुलूस जब रजही चौराहे पर रामानंद



के घर के पास पहुंचा, तभी डीजे के ऊपर लगी लोहे की रेलिंग ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। इससे डीजे और प्रतिमा के आसपास मौजूद लोगों को करंट लग गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मृतकों की पहचान केदारनाथ के पुत्र चंदन और शिव चौहान के पुत्र विक्की व लक्की के रूप में हुई है। विक्की और लक्की सगे भाई थे। हादसे में पुष्पा देवी, नंदिनी, धीरेंद्र, मोनू, अंशिका चौहान, शनि चौहान, प्रियांशु, शिवानी और शांतनु सहित अन्य लोग झुलस गए। घायलों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि विसर्जन के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने की बात कही गई थी, लेकिन इसके बावजूद आपूर्ति बंद नहीं की गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम करीब छह बजे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने गोरखपुर-महराजगंज फोरलेन पर जाम लगा दिया और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सेंगोल निमार्ता वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की आजादी के समय ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एथिराजुलु को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भेंट किए गए ऐतिहासिक सेंगोल के लिए हमेशा याद किया जाएगा। वर्ष 2023 में नए संसद भवन में सेंगोल को सम्मानपूर्वक स्थापित किया गया था। इस दौरान मोदी ने एथिराजुलु से मुलाकात कर उनके योगदान के लिए आभार जताया था। मोदी ने कहा कि उनका जीवन और शिल्प कौशल भारत की गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

122.50 लाख की ऑनलाइन ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, चार मोबाइल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्व जिला के साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन निवेश के नाम पर 22.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल भी बरामद किए हैं। साइबर थाना पुलिस के अनुसार इस संबंध में पीड़ित अमित कुमार की शिकायत पर थाना साइबर (उत्तर-पूर्व) में एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि फेसबुक पर नेहा शर्मा नाम से बनी प्रोफाइल के जरिये उसे ई-सेलर स्टोर नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करने का झांसा दिया गया। अच्छे मुनाफे का लालच देकर उससे अलग-अलग मौकों पर कुल 22.5 लाख रुपये ठग लिए गए। जांच में पुलिस ने बैंक खातों के लेनदेन (ट्रेल) का विश्लेषण किया, जिससे पता चला कि ठगी की रकम में से 1 लाख रुपये राज कुमार नामक व्यक्ति के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। तकनीकी खुफिया जानकारी और जमीनी सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने 17 अक्तूबर को मथुरा (उत्तर प्रदेश) से आरोपी राज कुमार को दबोच लिया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में राज कुमार ने खुलासा किया कि उसने अपने साले विपिन कुमार के कहने पर मात्र 15 हजार रुपये के लालच में यह बैंक खाता खुलवाया था। खाते से जुड़े एटीएम कार्ड, बैंक किट, दस्तावेज और रजिस्टर्ड मोबाइल कनेक्शन उसने विपिन को सौंप दिए थे। इसके बाद पुलिस ने आगे की तकनीकी जांच और कड़ियों को जोड़ते हुए 18 अक्तूबर को टप्पल (उत्तर प्रदेश) से दूसरे आरोपी विपिन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। विपिन ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने राज कुमार से वह बैंक खाता लिया था और बैंकिंग इंस्ट्रूमेंट्स किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिए थे। उसने यह भी खुलासा किया कि वह पैसों के लालच और कमीशन के लिए अन्य बैंक खाते जुटाने और सप्लाई करने के अवैध धंधे में शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज कुमार (34 वर्ष) विपिन कुमार (29 वर्ष) निवासी मथुरा, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

तीन साल बाद मिला खोया मोबाइल, उप निरीक्षक मधु ने लौटाए 300 से अधिक फोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को 3 साल पहले खोया हुआ मोबाइल फोन लौटाकर उसकी उम्मीद फिर जगा दी। सदर बाजार निवासी दिनेश का मोबाइल वर्ष 2023 में खो गया था। उन्होंने इसकी शिकायत नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन लंबे समय तक फोन नहीं मिलने पर उन्होंने उम्मीद छोड़ दी थी। बुधवार को नॉर्थ एवेन्यू थाने में तैनात उप निरीक्षक मधु ने दिनेश को उनका मोबाइल वापस सौंपा। फोन मिलने पर दिनेश भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि 3 साल बाद उनका खोया हुआ मोबाइल वापस मिल सकेगा। पुलिस के अनुसार, उप निरीक्षक मधु पिछले 10 महीनों में 300 से अधिक मोबाइल फोन खोजकर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचा चुकी हैं। इनमें कुछ फोन ऐसे भी हैं, जो 8 से 10 साल पहले खो गए थे। दिल्ली पुलिस की इस पहल से उन लोगों को राहत मिल रही है, जो लंबे समय से अपने खोए हुए मोबाइल फोन मिलने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

सीलमपुर रोडरेज हत्याकांड में एलएलबी छात्र गिरफ्तार, पिस्टल और कारतूस बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीलमपुर में सड़क पर मामूली टक्कर के बाद हुए विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ ने फरार आरोपी मोहम्मद गाजी उर्फ गाजी अब्बास को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अर्धस्वचालित पिस्तौल और 4 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर को गौतमपुरी की गली नंबर 8 के बाहर दो पक्षों के बीच कार की टक्कर को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इसी दौरान वसीम नामक युवक को गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल वसीम की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में सीलमपुर थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रकोष्ठ की टीम भी जुटी थी। पुलिस ने 18 अक्टूबर को मयूर विहार फेज-3 से गाजी अब्बास को गिरफ्तार किया। जांच के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से बुलंदशहर का रहने वाला है और मेरठ से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विधि स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में जाफराबाद में भी एक मामला दर्ज हुआ था। वह पहले करीब 3 साल तक मंडोली जेल में बंद रहा था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर बरामद हथियार के स्रोत और संभावित तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या 5प्र. बढ़ी, 6 महीने में 3.85 करोड़ ने किया सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर के दौरान 3.85 करोड़ यात्रियों ने यहां से सफर किया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 3.67 करोड़ थी। इस तरह यात्रियों की संख्या में लगभग 5त्न की वृद्धि हुई है। हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 2.81 करोड़ घरेलू और 1.04 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों ने सफर किया। दोनों श्रेणियों में यात्रियों की संख्या बढ़ी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ विमानों की आवाजाही में भी तेजी आई है। अप्रैल से सितंबर के दौरान विमानों के उतरने और उड़ान भरने की कुल गतिविधियां 6.9त्न बढ़कर 2,33,331 हो गईं। इस अवधि में प्रतिमाह औसतन करीब 65 लाख यात्रियों का आवागमन हुआ। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों, भू-राजनीतिक परिस्थितियों, उड़ानों में व्यवधान और रनवे के उन्नयन कार्य के कारण यातायात प्रभावित हुआ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली हवाई अड्डे से 7.87 करोड़ यात्रियों ने सफर किया था। वर्तमान में हवाई अड्डे पर 3 टर्मिनल और 4 रनवे हैं। इसकी वार्षिक यात्री प्रबंधन क्षमता लगभग 10.6 करोड़ है। आगामी 10 वर्षों की योजना के तहत इस क्षमता को बढ़ाकर 12.5 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य रखा गया है।

पति के फर्जी हस्ताक्षर कर बेटे को ऑस्ट्रेलिया ले जाने का आरोप, दिल्ली में प्राथमिकी दर्ज

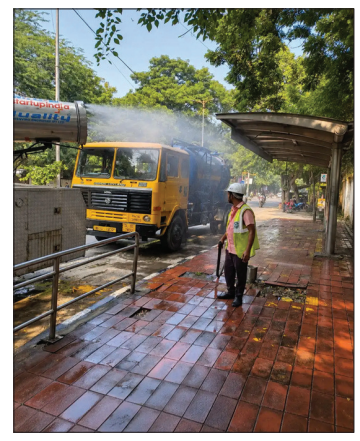
नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में एक व्यवसायी ने अपनी पत्नी पर दो वर्षीय बेटे को बिना सहमति ऑस्ट्रेलिया ले जाने और वीजा संबंधी दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता दमनजीत सिंह के अनुसार, उनकी पत्नी 8 जून को अपने पिता से मिलने तिलक नगर स्थित मायके गई थीं। वह अपने बेटे को भी साथ ले गई थीं और कुछ दिनों में लौटने की बात कही थी। हालांकि, आरोप है कि पत्नी ने करीब दो सप्ताह तक वापसी टालने के बाद उनका फोन नंबर और सामाजिक माध्यमों पर संपर्क बंद कर दिया। व्यवसायी का कहना है कि जब वह पत्नी के मायके पहुंचे तो वहां उन्हें पत्नी और बेटे के बारे में जानकारी नहीं मिली। बाद में रिश्तेदारों से पता चला कि पत्नी अपने पिता के साथ बच्चे को लेकर ऑस्ट्रेलिया चली गई है। व्यवसायी ने आरोप लगाया कि पत्नी ने बेटे के वीजा आवेदन से संबंधित दस्तावेजों पर उनके फर्जी हस्ताक्षर किए और उनका पासपोर्ट भी चुरा लिया। उन्होंने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने और अपने बेटे के संबंध में जानकारी दिलाने की मांग की है। पुलिस ने धोखाधड़ी, अपहरण और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच जारी है। फिलहाल, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दिल्ली में जमीन के सर्किल रेट बढ़ाने पर 23 को बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जमीन के सर्किल रेट में बड़े बदलाव की मांग के बीच 23 अक्टूबर को केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। दिल्ली सरकार ने भूमि की नई दरें तय करने की तैयारी की है। इस बैठक में कृषि और आवासीय भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है। दिल्ली के किसान कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, दरों में कितनी वृद्धि होगी, इस पर अंतिम फैसला सरकार को लेना है।

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए एमसीडी ने तेज किए धूल नियंत्रण के उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने धूल नियंत्रण, सड़कों की गहन सफाई और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई तेज कर दी है। निगम ने सभी 12 जोनों में धूल प्रभावित सड़कों की सफाई शुरू करने के साथ ही अवैध मलबा डंपिंग, खुले में कचरा जलाने और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण पर निगरानी बढ़ा दी है। इसके लिए संयुक्त प्रवर्तन टीमों का गठन किया गया है। निगम ने अवैध डंपिंग पर रोक लगाने के लिए सभी 250 वार्डों में निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के निस्तारण के लिए निर्धारित स्थल चिह्नित किए हैं। इन स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इसके तहत अपशिष्ट के ढेर से कम से कम तीन मीटर ऊंची धूलरोधी दीवारें बनाना, डंप की गई सामग्री को ढकना या नियमित रूप से गीला रखना और फाइन-नोजल जल छिड़काव प्रणाली चालू रखना अनिवार्य किया गया है। मलबा ले जाने वाले वाहनों को भी पूरी तरह ढकना होगा।
निगरानी मजबूत करने के लिए सभी 125 निर्धारित स्थलों पर 360 डिग्री पीटीजेड कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की सीधी फीड दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे स्थलों पर चौबीसों घंटे निगरानी की जा सकेगी।
नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए गठित संयुक्त टीमें खुले में जैविक कचरा जलाने, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों से फैलने वाली धूल, प्रतिबंधित ईंधनों के इस्तेमाल और मलबे तथा कचरे की अवैध डंपिंग पर नजर रखेंगी। टीमें निगम के निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट भंडारण और डंपिंग स्थलों का निरीक्षण भी करेंगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों के अनुरूप निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों को मलबा पोर्टल के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
धूल प्रदूषण कम करने के लिए निगम ने सड़कों पर 167 वाटर स्प्रिंकलर और 40 एंटी-स्मॉग गन तैनात की हैं। इनका संचालन ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के विभिन्न चरणों के अनुरूप किया जा रहा है। इसके अलावा निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों, डंपिंग स्थलों और कचरे से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्रों में 20 एंटी-स्मॉग गन स्थापित की गई हैं। निगम की ऊंची इमारतों पर भी 20 एंटी-स्मॉग गन लगाई गई हैं।
डीपीसीसी की प्रवर्तन टीमों के क्षेत्रीय निरीक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सभी जोनों में वाहन तैनात किए गए हैं। इसके लिए प्रत्येक जोन को अंतरिम व्यवस्था के तहत पांच लाख रुपये का बजटीय प्रावधान जारी किया गया है। जरूरत पड़ने पर लिटर-पिकर संचालन के लिए उपलब्ध कराए गए वाहनों का इस्तेमाल भी प्रवर्तन कार्यों में किया जाएगा। सभी जोनल अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।
निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निरंतर प्रयास, सख्त प्रवर्तन और प्रभावी निगरानी जरूरी है। निगम सड़कों की गहन सफाई, धूल नियंत्रण उपकरणों की तैनाती और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को धूल नियंत्रण उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और



नियमित क्षेत्रीय निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समन्वित और समयबद्ध कार्रवाई के माध्यम से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में ठोस और स्थायी सुधार लाना निगम का उद्देश्य है।

मुखमेलपुर गांव में महापौर प्रवेश वाही ने सड़क का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने बुधवार को मुखमेलपुर गांव में सड़क का उद्घाटन किया। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।
महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली नगर निगम को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे राजधानी में विकास कार्यों को गति मिल रही है। दिल्ली सरकार के सहयोग से कूड़े के पहाड़ों की ऊंचाई भी आधे से कम रह गई है और जल्द ही इन्हें पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में काम किया जाएगा।



उन्होंने इंदौर, सिक्किम और गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली को भी स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाना है। इसके लिए जनता का सहयोग आवश्यक है। नागरिकों को स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करना होगा और कचरे का निस्तारण उसके स्रोत पर ही करना चाहिए। गीले कचरे को हरे तथा सूखे कचरे को नीले कूड़ेदान में डालना चाहिए। स्वच्छता से जुड़ी छोटी-छोटी आदतें अपनाकर दिल्ली को साफ-सुथरा और हरित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।
महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क के उद्घाटन पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई और गांव के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जिलाध्यक्ष डॉ. यूके चौधरी, दिल्ली नगर निगम में मनोनीत सदस्य राजपाल राणा, उत्तरी क्षेत्र की उपायुक्त श्वेता नागरकोटी, स्थानीय नागरिक और निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ने की जरूरत: नितिन नवीन

-जनसंघ के विरोध से ही देश को बांटने वाली प्रवृत्तियों पर लगा था अंकुश

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने देश की युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया है। भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ के 75वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि दुनिया में बदलती परिस्थितियां एक बड़ी चुनौती पेश कर रही हैं। इसके लिए न केवल विचारधारा की निरंतरता, बल्कि नयी पीढ़ी को भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवादी नींव से गहराई से जोड़ने की जरूरत है।
नवीन ने कहा कि 75 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1951 से शुरू हुई जनसंघ से जन-जन की यात्रा के आज 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के भाव से स्थापित जनसंघ का बीज आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुका है। आजादी के बाद विचार और उद्देश्य से भटकी कांग्रेस सरकार के समय यदि जनसंघ ने पुरजोर विरोध न किया होता, तो आजादी के बाद भी देश को बांटने और विभाजित करने वाली प्रवृत्तियां लगातार जारी रहतीं। आज भी वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के लोकतंत्र को चुनौती देने के लिए अराजकता का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1961 में गोवा की मुक्ति का प्रश्न हो या पश्चिम बंगाल के हिंदू बहुल क्षेत्रों के हितों की रक्षा, तत्कालीन नेतृत्व के ढुलमुल रवैये के विपरीत जनसंघ को ही राष्ट्रहित और अखंडता के लिए आवाज उठानी पड़ी। कांग्रेस की सरकारों में केवल गरीबी का नारा दिया जाता था लेकिन विकास की योजनाओं का लाभ कभी भी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचाया गया। आज भी लोकतंत्रों को चुनौती देने और अराजक माहौल तैयार करने के



प्रयास किए जा रहे हैं, जो कांग्रेस और इंडी गठबंधन की विभाजनकारी मानसिकता को दर्शाता है।
भाजपा अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि जनसंघ द्वारा रोपे गए विचार और संस्कार देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में बांधकर राष्ट्रहित में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनसंघ के संकल्प और विचारों को अपनी नीतियों एवं योजनाओं में समाहित किया है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प और अपने मनीषियों के सपनों के भारत को साकार करने के लिए भाजपा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी तथा उनके संघर्षों का मूल्य अवश्य चुकाएगी। नवीन ने इस मौके पर जनसंघ से लेकर भाजपा के विस्तार और मजबूती का श्रेय श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी और भाजपा तथा जनसंघ के कई अन्य नेताओं के समर्पण एवं कड़ी मेहनत को दिया।

राजधानी में धूमधाम और श्रद्धा के साथ हुआ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

-गुलाल और सिंदूर से सराबोर हुए श्रद्धालु

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी में बुधवार को मां दुर्गा की प्रतिमाओं का धूमधाम और श्रद्धा के साथ विसर्जन किया गया। दुर्गा पूजा पंडालों में पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालु मां की प्रतिमाओं को जुलूस के रूप में विसर्जन स्थलों तक लेकर पहुंचे। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को विदाई दी। इस दौरान गुलाल और सिंदूर खेलकर भक्तों ने उत्सव की खुशियां साझा कीं। यमुना नदी में प्रतिमा विसर्जन पर प्रतिबंध होने के कारण श्रद्धालुओं ने निर्धारित तालाबों, नहरों और अन्य वैकल्पिक स्थानों पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया।
चितरंजन पार्क, करोल बाग,



कालीबाड़ी पुल, मिंटो रोड, द्वारका, चांदनी चौक और कापसहेड़ा समेत राजधानी के विभिन्न इलाकों में बने दुर्गा पूजा पंडालों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं और अन्य श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और गुलाल से होली खेली। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं को सजाए गए वाहनों और जुलूसों के साथ विसर्जन के लिए रवाना किया गया।
विसर्जन जुलूसों के दौरान भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु मां दुर्गा के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। कई स्थानों पर ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया गया। मां की प्रतिमा के साथ श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को भी गुलाल और सिंदूर लगाया। धार्मिक अनुष्ठानों और उत्सवी माहौल के बीच भक्तों ने अगले वर्ष मां के फिर आगमन की कामना की। यमुना में प्रतिमा विसर्जन पर प्रतिबंध के चलते श्रद्धालुओं ने पश्चिमी यमुना नहर, ढांसा स्थित नजफगढ़ ड्रेन और बवाना नहर समेत अन्य निर्धारित स्थलों पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर बने तालाबों और विसर्जन स्थलों का भी इस्तेमाल किया गया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए मां दुर्गा को विदाई दी और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

दिल्ली विधायकों का अब साल में दो बार होगा स्वास्थ्य परीक्षण, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा के वर्तमान विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण अब वर्ष में दो बार कराया जाएगा। यह निर्णय बुधवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। इस पहल का उद्देश्य विधायकों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना, संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और समय पर उपचार उपलब्ध कराना है।
बैठक में संत परमानंद अस्पताल के महाप्रबंधक तथा दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की पहल पर पिछले वर्ष विधायकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी।
बैठक के दौरान अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने निर्देश दिए कि दिल्ली विधानसभा के सभी वर्तमान विधायकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण वर्ष में दो बार कराया जाए। इस व्यवस्था के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की स्थिति का समय-समय पर आकलन किया जाएगा, ताकि संभावित बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान हो सके और आवश्यकता के अनुसार उचित चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार सुनिश्चित किया जा सके।
इस संबंध में 12 से 19 नवंबर तक संत परमानंद अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जांच दो बैचों में की जाएगी। पहले बैच का स्वास्थ्य परीक्षण प्रातः 8:30 बजे तथा दूसरे बैच का प्रातः 9:30 बजे शुरू होगा। इस व्यवस्था से निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी संबंधित विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।
विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां व्यापक होती हैं और उन्हें निरंतर जनसेवा में जुटे रहना पड़ता है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और समय पर चिकित्सकीय जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था से संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की समय रहते पहचान करने, आवश्यक उपचार



उपलब्ध कराने तथा भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए उचित एहतियाती कदम उठाने में मदद मिलेगी। दिल्ली विधानसभा सचिवालय द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर के सुचारु आयोजन तथा संबंधित चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक समन्वय किया जाएगा।

नई दिल्ली में आठ नवंबर तक रहेगी पानी की किल्लत

-राष्ट्रपति भवन और नए पीएमओ परिसर में भी प्रभावित हो सकती है आपूर्ति, अपर गंगा नहर की मरम्मत के चलते यमुना के पानी पर निर्भरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के कई इलाकों में आठ नवंबर तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित रह सकती है। इससे राष्ट्रपति भवन परिसर और नए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) समेत कई महत्वपूर्ण सरकारी परिसर भी प्रभावित हो सकते हैं। अपर गंगा नहर में वार्षिक रखरखाव और मरम्मत कार्यों के चलते 21 अक्तूबर की मध्यरात्रि से आठ नवंबर की मध्यरात्रि तक नहर बंद रहेगी। इसके कारण सोनिया विहार जल शोधन संयंत्र से होने वाली जल आपूर्ति प्रभावित होगी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अनुसार, इस अवधि में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यमुना नदी के पानी से आपूर्ति की जाएगी। इससे पानी के स्वाद में बदलाव हो सकता है और प्रभावित इलाकों में जल आपूर्ति की मात्रा भी कम रहने की आशंका है। एनडीएमसी के मुताबिक, भारती नगर, गोल्फ लिंक्स, लोदी एस्टेट, खान मार्केट, रवींद्र नगर, बापा नगर, जोर बाग, बीके दत्त कॉलोनी, अमृता शेरगिल मार्ग, अलीगंज, किदवई नगर और लक्ष्मीबाई नगर सहित कई इलाकों में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा लोदी रोड, लोदी कॉलोनी, पंडारा रोड, पंडारा पार्क, जनपथ और पृथ्वीराज रोड के कुछ हिस्सों में भी पानी की कमी हो सकती है। प्रभावित क्षेत्रों में उच्च न्यायालय, राष्ट्रपति भवन परिसर, नया पीएमओ, काका नगर, दिल्ली फ्लाइंग क्लब, सफदरजंग फ्लाईओवर और भारती नगर स्थित झुग्गी-झोपड़ी शिविर भी शामिल हैं।
अनावश्यक पानी नहीं खर्च करने की अपील- एनडीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवधि में पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करें और उपलब्ध जल का अनावश्यक खर्च न करें। नहर बंद रहने तक वैकल्पिक स्रोत से आपूर्ति की जाएगी, इसलिए लोगों को कमी के मद्देनजर सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

सौरव दास और आशुतोष रांका को मिली जमानत, लिखित माफीनामे और शपथ पत्र के बाद रिहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरव दास और आशुतोष रांका के लिए बुधवार का दिन बेहद अहम रहा। बीते सात दिनों से तिहाड़ जेल में बंद दोनों सीजेपी नेताओं को जमानत मिल गई। सौरव दास और आशुतोष रांका से लिखित में माफीनामा और शपथ पत्र लेने के बाद इनको जमानत पर छोड़ा गया है। करीब डेढ़ घंटे तक चली सुनवाई के बाद स्पेशल एनजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया और फिर दोनों को जमानत का फैसला सुनाया। इसके लिए कड़ी सुरक्षा घेरे के बीच सीजेपी के दोनों सहसंयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को पेशी के लिए मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एनजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में लाया गया था। इन दोनों की इस कोर्ट में यह तीसरी पेशी है। पिछली दो पेशियों में दोनों की जमानत खारिज कर दी गई थी। यहां तीसरी बार बेल बॉन्ड भरवाने के बाद सुनवाई शुरू हो गई है। आज अगर दोनों के जमानती से कोर्ट संतुष्ट हो जाएगी तब इन्हें जमानत पर छोड़ा जा सकता है। सही जमानती पेश नहीं करने पर तीसरी बार भी इन्हें जेल भेजा जा सकता है।

दिल्ली की कॉलोनियों और बड़े बाजारों में होगी रात्रिकालीन सफाई

-मुख्यमंत्री दिए सख्त निर्देश, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली व अन्य त्योहारों के दौरान दिल्लीवासियों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राजधानी में सफाई के मामले में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों और एजेंसियों को सफाई व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने, कूड़े के ढेर हटाने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को रिहायशी कॉलोनियों, बड़े बाजारों और प्रमुख मार्केट में रात्रिकालीन सफाई शुरू करने के भी निर्देश दिए ताकि त्योहारों के दौरान राजधानी के हर इलाके में स्वच्छता दिखाई दे। इस विषय को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, दिल्ली के मेयर प्रवेश वाही, निगम के अन्य प्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव राजीव वर्मा, नगर निगम आयुक्त संजीव खिरवार और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के कुछ इलाकों में कूड़े के ढेर लगे होने और समय पर कूड़ा नहीं उठाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। सफाई के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन उनके अपेक्षित परिणाम जमीन पर दिखाई नहीं दे रहे। कुछ जोन में कूड़ा उठाने में लापरवाही की शिकायतें भी सामने आई हैं। बड़े बाजारों और मार्केट में भी सफाई व्यवस्था बेहतर करने की मांग की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए और सफाई व्यवस्था में सुधार का असर स्पष्ट रूप से नजर आना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेयर और निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि त्योहारों को देखते हुए पूरी दिल्ली में सफाई अभियान को गति दी जाए। जिन इलाकों में अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत है, वहां तत्काल मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर रात्रिकालीन सफाई अभियान के लिए नए कर्मचारियों को भी काम पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि रिहायशी कॉलोनियों और बड़े बाजारों में रात के समय सफाई होने से दिन में लोगों की आवाजाही के दौरान स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी। त्योहारों से पहले सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार सुनिश्चित किया जाए।

शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 425 करोड़ रु0 से अधिक की सहायता प्रदान की गई

प्रथम पृष्ठ का शेष

शहीद परिवारों का त्याग राष्ट्र के प्रति समर्पण को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पुलिस के अमर शहीदों की राष्ट्र सेवा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान और त्याग उत्तर प्रदेश पुलिस ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पुलिसकर्मियों के साथ-साथ उनके परिवारों के कल्याण पर भी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के लिए 05 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने वाले स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए हैं। इससे पुलिस परिवारों को स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरतों के समय सहायता उपलब्ध कराने का उद्देश्य है। पुलिसकर्मियों का मनोबल तभी मजबूत रहेगा, जब उन्हें यह विश्वास होगा कि सरकार उनके और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति संवेदनशील है। पुलिस बल के आधुनिकीकरण के साथ-साथ कर्मियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और सेवा सम्बन्धी सुविधाओं पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कल सम्पूर्ण देश विजयादशमी के उत्सव में डूबा हुआ था। कहीं रावण के पुतलों का दहन हो रहा था, तो कहीं शोभायात्राएँ निकाली जा रही थीं। चारों ओर उल्लास और उमंग का वातावरण था। जब लोग अपने परिवारों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा कर रहे थे, उस समय पुलिसकर्मी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे, ताकि प्रत्येक नागरिक निर्भय होकर उत्सव का आनन्द ले सके। पुलिसकर्मियों की यह सतत सेवा ही नागरिकों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का आधार है। इस वर्ष विजयादशमी के ठीक अगले दिन पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को और गहरा करता है। विजयादशमी हमें अन्याय, अधर्म और बुराई के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती है। पुलिसकर्मी भी कानून और व्यवस्था की रक्षा करते हुए समाज में भयमुक्त वातावरण स्थापित करने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। कुछ ऋण ऐसे होते हैं, जिन्हें चुकाया नहीं जा सकता। राष्ट्र पर शहीदों का ऋण भी इसमें सम्मिलित है। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए हमारा मन श्रद्धा और सम्मान से भर उठता है। उनके साहस से मस्तक गर्व से ऊँचा होता है और उनके प्रति कृतज्ञता हमें अपने दायित्वों का बोध कराती है। किसी भी राष्ट्र की महानता इससे निर्धारित होती है कि वह अपने इतिहास, मूल्यों और उन लोगों के योगदान को कितना सम्मान देता है, जिनके त्याग से वर्तमान सुरक्षित और भविष्य सम्भव हुआ है। स्मृति हमें अपनी विरासत के साथ-साथ अपने दायित्वों का भी बोध कराती है। स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण हमें स्वाधीनता का मूल्य और उसके लिए चुकाई गई कीमत याद दिलाता है। संविधान निर्माताओं का स्मरण न्याय, समता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इसी प्रकार पुलिस के अमर शहीदों को नमन करने से हमें यह समझने की प्रेरणा मिलती है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत दायित्व है। इसके निर्वहन के लिए किसी को अपना सुख, अपने सपने और कभी-कभी अपना पूरा जीवन तक समर्पित करना पड़ता है। हमारा सामान्य जीवन जितना सहज दिखायी देता है, उसकी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों को उतने ही असाधारण दायित्वों का निर्वहन करना पड़ता है। किसी बच्चे का सुरक्षित विद्यालय पहुँचना, किसी बेटी का स्वतंत्र भाव से घर से बाहर निकलना, किसी व्यापारी का निर्भय होकर कारोबार चलाना तथा संकट के समय किसी नागरिक को सहायता प्राप्त होना सामान्य अनुभव प्रतीत होते हैं, लेकिन इनके पीछे पुलिस व्यवस्था का निरन्तर प्रयास, सतर्कता और समर्पण होता है। पुलिसकर्मी दिन-रात नागरिकों की सुरक्षा में लगे रहते हैं। उन्हें त्योहारों, सार्वजनिक आयोजनों, आपदाओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। कई बार कर्तव्यपालन के दौरान उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है और अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 21 अक्टूबर भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन वर्ष 1943 में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार की स्थापना कर भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया था। इसी तारीख को वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 वीर जवानों ने चीनी सैनिकों के घात लगाकर किए गए हमले का वीरतापूर्वक सामना किया और मातृभूमि की आन, बान और शान की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। एक ही तारीख पर इतिहास के दो महत्वपूर्ण अध्याय हमारे सामने आते हैं। एक ओर देश की आजादी के लिए सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा है, तो दूसरी ओर स्वतंत्र राष्ट्र और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर करने का कर्तव्यबोध। इस प्रकार 21 अक्टूबर हमें स्वतंत्रता, राष्ट्रभक्ति, साहस और सर्वोच्च बलिदान की गौरवशाली परम्परा का स्मरण कराता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक राष्ट्र को समर्पित करते हुए पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास, साहस और बलिदान की स्मृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने पर विशेष बल दिया था। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के निर्माण की पहल की थी। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर अंकित प्रत्येक नाम एक कहानी समेटे हुए है। प्रत्येक जवान के अपने व्यक्तिगत सपने, आकांक्षाएँ और पारिवारिक जिम्मेदारियाँ रही होंगी, लेकिन जब कर्तव्य और व्यक्तिगत आकांक्षाओं के बीच कठिन चुनाव की घड़ी आयी, तब उन्होंने कर्तव्य को प्राथमिकता दी। हम शहीदों के जीवन की सभी परिस्थितियों को भले ही न जानते हों, लेकिन उनके अंतिम निर्णय के महत्व को अवश्य समझ सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है। यहाँ की सामाजिक विविधता, आर्थिक सम्भावनाएँ, सांस्कृतिक विरासत, कृषि शक्ति, औद्योगिक आकांक्षाएँ और युवा ऊर्जा प्रदेश को देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करती हैं। इन सम्भावनाओं को वास्तविक उपलब्धियों में बदलने के लिए आवश्यक है कि प्रदेश में कानून का राज मजबूत हो, नागरिक अपने अधिकारों के प्रति आश्वस्त रहें और समाज में सुरक्षा एवं न्याय के प्रति विश्वास कायम हो। विकास के लिए सुरक्षित वातावरण अनिवार्य है। इसलिए कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना केवल पुलिस प्रशासन का विषय नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक प्रगति, निवेश, रोजगार और सामाजिक स्थिरता का भी आधार है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के शासनकाल में पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। थानों में सीलन भरी बैरकें थीं, छतों से पानी टपकता था और पुलिस बल की बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी की जाती थी। पी0ए0सी0 की कम्पनियों को बंद करने के प्रयासों से भी पुलिस बल की क्षमता प्रभावित हुई। पुलिसकर्मियों के हथियार जर्जर थे। ऐसी स्थिति में कानून का प्रभाव कमजोर होता है और आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस करता है। वर्ष 2012 से 2017 के बीच उत्तर प्रदेश में 815 दंगे हुए। प्रत्येक दंगे का असर केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गरीब की दुकान, मजदूर की रोजी-रोटी और बच्चे की प ?ाई तक प्रभावित होती है। दंगों से समाज में भय और अविश्वास बढ़ता है तथा आर्थिक गतिविधियाँ बाधित होती हैं। मथुरा के जवाहर बाग प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्री मुकुल द्विवेदी और थाना प्रभारी श्री संतोष यादव को अपने प्राण गँवाने पड़े। वर्ष 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद पुलिस को निर्देश दिए गए कि वह गरीब, पीड़ित, व्यापारी और बहन-बेटियों के सम्मान तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। साथ ही, समाज में आतंक फैलाने वाले अपराधियों, माफिया और दंगाइयों के प्रति कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उत्तर प्रदेश में अपराध और माफिया के विरुद्ध चलाए गए अभियान के परिणामस्वरूप 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध सम्पत्तियाँ जब्त की गई हैं।

फेज रोड करोलबाग क्षेत्र में दशहरे पर रावण दहन पुतला फूंकने का आयोजन किया गया

बासुरी स्वराज ने दशहरे पर देशवासियों को हार्दिक बधाई दी।

नई दिल्ली। फेज रोड करोलबाग क्षेत्र में दशहरे पर रावण दहन पुतला फूंकने का आयोजन किया गया इस



कार्यक्रम के आयोजक समाज सेवी चरणजीव मल्होत्रा ने संवादाताओं से कहा कि कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद बासुरी स्वराज है और क्षेत्र के विधायक, निगम पार्षद एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। और संघ के 75वे स्थापना दिवस पर हिन्दू धर्म की रीति रिवाज से हथियारों की पूजा की लोक संगीत का आयोजन किया गया और फिर बासुरी स्वराज ने दशहरे पर आई उन्होंने देशवासियों को दशहरे पर बधाई देते हुए अधर्म पर धर्म की जीत बताई और कार्यक्रम में जय श्री राम के नारे से क्षेत्र में गूज उठा, दशहरे को देखने का माहौल है और फिर रावण दहन किया गया। मल्होत्रा ने कहा कि काक्रोच पार्टी के बयान से भारत की जनता में अराजकता फैलाने का काम कर रही है। हम सब का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर, नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। दिल्ली में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे-यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्त्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है। आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मयार्दा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करे। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय- इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें। सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई दी।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

NAME CHANGE
I CHINTHALAPUDI NARASIMHA RAJU, Army No. 15167419Y, Rank: HAV, legally father of CHINTHALAPUDI LAVANYA USHASRI Presently Residing At : THAGARAPUVALASA (Villege), Post: Chittivalasa, Teh : Bheemunipatnam, Dist: Visakhapatnam, State: Andhra Pradesh, Pin, 531163 have changed my daughter's name from CHINTHALAPUDI LAVANYA USHASRI to CHINTHALAPUDI USHASRI for all future purposes, Vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I CH ADHI LAKSHMI, Legally Mother of ARMY No. 15167419Y, Rank: HAV, Name : CHINTHA LAPUDI NARASIMHA RAJU, Presently Residing At : THAGARAPUVALASA (Villege), Post: Chittivalasa, Teh : Bheemunipatnam, Dist: Visakhapatnam, State: Andhra Pradesh, Pin, 531163 have changed my name from CH ADHI LAKSHMI to CHINTHALAPUDI ADILAXMI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of my correct date of birth as 01/01/1956, Vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto Known as AMIT JAIN alias AMIT KUMAR JAIN, S/o BHUSHAN KUMAR JAIN , Residing at 105 Kailash Tower, Opposite Pacific Mall, Kaushambi, I.E Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201010, have changed my name and shall hereafter be known as AMIT KUMAR JAIN.

NAME CHANGE
I Deepak Gera S/o Uttam Chand R/o BC - 38 A East, Shalimar Bagh, North West Delhi - 110088 have changed my name Deepak Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as VINOD KUMAR S/O MAHABIR PARSAD R/O 69, SHADAT NAGAR, SHADAT NAGAR (8-N), SADAT NAGAR, REWARI, HARYANA-123302 have changed my name and shall hereafter be known as VINOD KUMAR YADAV.

NAME CHANGE
I, Birjanand Tiwari S/o Raj Narayan Tiwari R/o House No.3432A, Gali No.76, Molarband Ext. Badarpur, South Delhi-110044 have changed my name to Brijanand Tiwari for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto Known as AMIT JAIN alias AMIT KUMAR JAIN, S/o BHUSHAN KUMAR JAIN , Residing at 105 Kailash Tower, Opposite Pacific Mall, Kaushambi, I.E Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201010, have changed my name and shall hereafter be known as AMIT KUMAR JAIN.

NAME CHANGE
I, SHEKH NAJUL, S/O - SHEKH TURAY, R/O - YADAV BHAWAN BHANKRI VILLAGE, FARIDABAD - 121004, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD NAJUL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, REHMAN BUK QADRI, S/O - NAEEM BUX QADRI, R/O - F-1/B-141, SHALIMAR GARDEN MAIN, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201005, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO REHMAN BUX QADRI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I CH LAVANYA, legally wife of Army No. 15167419Y, Rank: HAV, Name : CHINTHA LAPUDI NARASIMHA RAJU, Presently Residing At : Thagarapuvalasa (Villege), Post: Chittivalasa, Teh : Bheemunipatnam, Dist: Visakhapatnam, State: Andhra Pradesh, Pin, 531163 have changed my name from CH LAVANYA to CHINTHALAPUDI LAVANYA for all future purposes, Vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I CHINTHALAPUDI NARASIMHA RAJU, Army No. 15167419Y, Rank: HAV, legally father of CHINTHALAPUDI LAVANYA RAVI TEJA, Presently Residing At : Thagarapuvalasa (Villege), Post: Chittivalasa, Teh : Bheemunipatnam, Dist: Visakhapatnam, State: Andhra Pradesh, Pin, 531163 have changed my son's name from CHINTHALAPUDI LAVANYA RAVI TEJA to CHINTHALAPUDI RAVI TEJA for all future purposes, Vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VISHAL S/O MAHANDER KUMAR R/O H NO-932 SECTOR-10 FARIDABAD HARYANA-121006 have changed my name to VISHAL KATHURIA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD RAHIL S/o MOHD IBRAHIM R/o 4505 LAMBI GALI SIRKI WALAN HAUZ QAZI DELHI 110006 have changed my name to MOHAMMAD RAHIL for all future purpuse.

NAME CHANGE
I MS. ANSHU KHINCHI W/O PARMOD R/O VILLA NO IF 404, RAHEJA VEDAANTA , SECTOR- 108, DHARAMPUR(59), PO: DAULTABAD, DIST: GURGAON, HARYANA- 122006 I HAVE CHANGED MY NAME TO ANSHU DABLA

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD RAHIL S/o MOHD IBRAHIM R/o 4505 LAMBI GALI SIRKI WALAN HAUZ QAZI DELHI 110006 have changed my minor son name from MOHD HAMZA to MOHAMMAD HAMZA for all future purposes.

NAME CHANGE
I have changed/corrected my name from ASMITA SACHIN TIWARI to ASMITA LAHU PADWAL. Henceforth, I shall be known and identified as ASMITA LAHU PADWAL for all purposes and in all records/documents.

NAME CHANGE
I, Vijay S/o Muj Pal Singh R/o Plot No 85-A Ground Floor Block-D, Palam Village South West Delhi-110045, HAVE CHANGED MY NAME TO Vijay Kumar ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I MOHD NAEEM S/O JAHOOR ALI R/O KH NO 123 ,3rd FLOOR NEAR RAKESH DAIRY BUDHPUR BIJAPUR DELHI-110036 have changed my name to NAEEM AHMED Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I ANIL S/O BACHCHU SINGH R/O B 326 SHYAM COLONY GALI NO 2, BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to ANIL CHAUDHARY Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I HASEENA BEGAM W/O SIRAJ R/O H.NO C-25 STREET NO -3 NORTH GHONDA DELHI -110053 have changed my name to HASEEN Permanently for future Purposes

NAME CHANGE
I, Arun Kumar S/O: Sukhveer Singh, R/O 135, near shiv temple, village meerpur kalan, p.o mehmundpur, Hapur, Hapur, Uttar Pradesh, 245101, have changed the name of my minor son Abheer Chattha aged 10 years and he shall hereafter be known as ABHAYVEER CHATTHA.

NAME CHANGE
I,VIPIN KUMAR S/O SATISH KUMAR R/O. 227/3, RAMESH COLONY, SEHATPUR, Faridabad, Haryana-121003 have changed my name to VIPIN KASHYAP.

NAME CHANGE
I Usha, legally mother of Army no -JC 461753 W, Rank - Subedar, Name - Salunkhe Sandip Ramchandra, Presently Residing At - Virar (W) Post-Virar (W), Teh - Vasai, Dist - Palghar, State - Maharashtra, Pin - 401303 have changed my name from Usha to Ushatai Ramchandra Salunkhe . for all future purposes, in my son's records my date of birth wrongly mentioned as 08/07/1962 instead of his correct date of birth as 01/07/1959 vide affidavit dated 21/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, REHAN MONDAL S/O SAIJUL MONDAL R/O House No-8, Street No-7, Geeta Colony, Gandhi Nagar, Gandhi Nagar East, NCT Of Delhi-110031 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SAIJUL and ARCHANA in my 10th class educational documents and SAIJUL and ARCHANA in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SAIJUL MONDAL and BABY MONDAL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Jaipal Singh S/O Chater Singh R/O 6//245, Shradha Puri, Sardhana Road Meerut, UP 250001 have changed my name to Jai Pal Singh for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-773412W Rank-SUB Name-BIBHUTI BHUSAN MAHAPATRA residing at VILL-CHITALPUR, PO-JENAPUR, TEHSIL & P.S-DELANGA, DIST-PURI, ODISHA-752016, in my service records my son's (ARYAN MAHAPATRA) date of birth wrongly mentioned as 13/12/2012 instead of his correct date of birth as 04/12/2012 vide affidavit dated 21/10/2026 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-773412W Rank-SUB Name-BIBHUTI BHUSAN MAHAPATRA residing at VILL-CHITALPUR, PO-JENAPUR, TEHSIL & P.S-DELANGA, DIST-PURI, ODISHA-752016, in my service records my daughter's (AYUSHI AKANKSHYA MAHAPATRA) date of birth wrongly mentioned as 08/09/2011 instead of her correct date of birth as 19/08/2011 vide affidavit dated 21/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Ravi Kumar S/o Hoshiyar Singh R/o Maroudi Rangran(122), Marodi Jatan Rohtak Haryana-124001 I have changed my name to Ravi all future purpose

NAME CHANGE
I, Adarsh Kumar Verma, S/O Maha Raj Singh, R/O J-65-A, Near Bharat Shakti Public School, Krishan Vihar, Delhi-110086 have changed my name to Adarsh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Akash, S/O Adarsh Kumar, R/O J-65-A, Near Bharat Shakti Public School, Krishan Vihar, Delhi- 110086 have changed my name to Akash Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sunny S/O Ashok Kumar R/O House No. 954, H Block, Gali No. 16, Sangam Vihar, Delhi 110062 Have changed my name to Sunny Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Siddhartha Daga S/o Shanti Lal Daga R/o House No.2159, Bothra Chowk, Gangashahar, Bikaner, Rajasthan-334401 have changed my name to Siddhartha Kumar Daga for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNIL KUMAR S/o NEM SINGH, R/o A-124, Ground Floor, Near Ambedkar Park, Joshi Colony, I. P. Extension, East Delhi-110092 declare that name of my father has been wrongly written as NAIM SINGH in my 10th and all educational documents. The actual name of my father is NEM SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kasim Kasmi S/o Nazir Hasan R/o B-25/4, Gali No.13/6, Subhash Mohalla, Garhi Mendu, Bhajanpura, Delhi-110053 have changed my name to Mohammad Qasim Qasmi for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHABANA MAQBUL W/o MOHD MAQBUL, residing at 1205, Gali Kuey Wali, Zare Fasil Road, Rakab Ganj, Darya Ganj, Central Delhi-110002, declare that name of mine has been wrongly written as SHABANA in my minor daughter namely AINA in her Birth Certificate No. MCDOLIR-0111-004961773. The actual name of mine is SHABANA MAQBUL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, THULASEEDHARAN PILLAI R father of NO – 14863341X, RANK-HAV, NAME – HARISH T residing at PUTHUKKATTU THARAYIL, ADINADU NORTH PO, KARUNAGAPPALLY, K.S. PURAM, KOLLAM, KERALA-690452, have changed my name from THULASEEDHARAN PILLAI R to THULASEEDHARAN PILLAI for all future purposes vide Affidavit Dated 21/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHEETAL W/O NAVEEN KUMAR PUN R/O 3/136 SECOND FLOOR RAMESH NAGAR DELHI 110015 have changed my name to SHEETAL AJMANI Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as SANJAY KUMAR S/o MAM CHAND SHARMA R/o SHANKAR NAGAR KHEKRA, KHEKADA PO; KHEKRA, DIST; BAGHPAT UTTAR PRADESH-250101, have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY SHARMA.

NAME CHANGE
I, SANJAY MEHTO S/O SUKAN MEHTO R/O KH-856, GULDHAR-2 FREEHOLD, GHAZIABAD, GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201002, have changed the name of my minor daughter MUNNI KUMARI aged 16 years and She shall hereafter be known as POONAM KUMARI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PUNIT SHARMA alias PUNIT KUMAR S/o SUBHASH CHAND SHARMA R/o MATIALA SADARPUR GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201002, have changed my name and shall hereafter be known as PUNIT KUMAR.

NAME CHANGE
I, GIRDHAR SARIN S/O LATE SHRI T. S. SARIN, R/o HOUSE NO-140, R K PURAM, SECTOR-9, DELHI-110022, have changed the name of my minor daughter YASHASVI SARIN aged 13 years and she shall hereafter be known as YASHASVI NEGI. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE
I, GIRDHAR SARIN S/O LATE SHRI T. S. SARIN, R/o HOUSE NO-140, R K PURAM, SECTOR-9, DELHI-110022, have changed the name of my minor son ADITYA SINGH SARIN aged 11 years and he shall hereafter be known as ADITYA SINGH NEGI. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE
I, Kamlesh W/o Rajendar R/o H. No- 116, Near Alam Ban School Naveen Kunj, Loni Dehat, Loni, Hapur, Uttar Pradesh – 201102 have changed my name and shall hereafter be known as Munni.

NAME CHANGE
I, SHAKUNTALA DEVI mother of RAVI KUMAR residing at KISOLI, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245408 have changed my name from SHAKUNTALA DEVI to SHAKUNTALA for all future purposes vide Affidavit dated 21/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DHARAMVIR SINGH father of RAVI KUMAR residing at KISOLI, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245408 have changed my name DHARAMVIR SINGH to DHARAMVEER SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 21/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Rajesh Kumar Bharti S/o Dhaniram Bharti R/o C6-1403, CGEWHO Kendriya Vihar, Phi 4, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RAJESH KUMAR and DHANI RAM in my 10th, 12th class educational documents, The actual name of mine and my father are RAJESH KUMAR BHARTI and DHANIRAM BHARTI, respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as AASHNA KUMAR D/o LATE RAJEEV KUMAR R/o 283, Windsor Greens, Plot No. F-28, Sector-50, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201303 have changed my name and shall hereafter be known as AASHNA MATHUR.

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Regd. General Power of Attorney Dated 08.03.2022 Document No. 2662 Vol. No. 1325, Book No.4, Page No. 339 To 358, at SR-Ghaziabad Which executed by Smt. Sushila Devi in favour of Sh. Ranvir Singh and Regd. Sale Deed Dated 29.06.2022 Document No. 10231 Vol. No. 3714, Book No.1, Page No. 81 To 100, at SR-Ghaziabad Which executed by Sh. Ranvir Singh in favour of Sh. Mulayam Singh pertaining to "Plot Land Area Measuring 30 Sq. Yds. i.e. 25.08 Sq. Mtrs., Out of Khasra No. 167, Situated at Awashiya Colony, Ambedkar Nagar, Hadbast Village Illaichipur, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad.,". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller namely Sh. Suraj Mishra has Agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Smt. Phool Kali and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She/he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated: 22.10.2026
Place: Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I,DHEER SINGH TAWAR S/o VIRENDER TANWAR R/o H NO 261 MANDI VILLAGE MANDI SOURH DELHI, DELHI -110047 HAVE CHANGED MY NAME TO DHEER SINGH ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, REENA PATHANIA SHARMA, W/O RAHUL SHARMA, R/O HOUSE NO-983,POCKET C, NEAR SECTOR-21 MARKET,SECTOR-21,GURGAON-122016,HAVE CHANGED MY NAME TO REENA PATHANIA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I SHIVAM KUMAR KUSHWA S/0 SUNIL KUMAR KUSHWA R/0 C-4/18 GALI NO3 SADATPUR EXTN KARWAL NAGAR DELHI 110094 CHANGED MY NAME TO SHIVAM KUMAR KHUSHWA

NAME CHANGE
I, Sarabjeet Kaur W/O Late Sh. Jaswant Singh R/o House No. A-122, New Ashok Nagar, Delhi,-110096, declare that my name has been wrongly spelled as Sarvjeet Kaur in my late husband's Will Deed dated 17.03.2015. The correct spelling of my name is SARABJEET KAUR. Both names belong to one and the same person.

NAME CHANGE
I, Sushma Rani, W/O Jagdish Prasad Bindal, R/O AO-85, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi- 110088 have changed my name to Sushma Rani Bindal for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I Mohd Huzaifa Ghyas S/O: Mohd Ghyas Uddin, R/O A-165, Abul Fazal Enclave Part-2 Shaheen bagh, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi, 110025, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Huzaifa Ghyas and Mohammad Ghyasuddin in my birth certificate no 701.The actual name of mine and my father are MOHD HUZAIFA GHYAS and MOHD GHYAS UDDIN, respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गंगा देवी (प्रस्तावित ऋणकर्ता), संपत्ति संख्या H-742, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज, खसरा संख्या 56/18 में से, ग्राम पालम के क्षेत्र में स्थित, स्टेट दिल्ली कॉलोनी, जिसे राज नगर पार्ट-II, गली नंबर 14, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 के नाम से जाना जाता है, पर निर्मित प्रथम तल (सामने का भाग), छत के सामान्य उपयोग के अधिकार सहित, M/s Neevilas Real Estate Pvt. Ltd. से क्रय करने की इच्छुक हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी श्री रोहित जैन एवं श्रीमती अंजू जैन थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को दिनांक 21.12.2004 के विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से श्री संजय बजाज को विक्रय किया था। तत्पश्चात, श्री संजय बजाज ने दिनांक 24.09.2024 के पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा (Registered General Power of Attorney), करारनामा विक्रय (Agreement to Sell) एवं वसीयतनामा (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति के संबंध में अपने अधिकार M/s Neevilas Real Estate Pvt. Ltd. के पक्ष में हस्तांतरित किए। उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, दावों तथा अन्य तृतीय पक्ष के अधिकारों एवं हितों से मुक्त बताया गया है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु Bajaj Housing Finance Ltd., शाखा सुभाष नगर, नई दिल्ली द्वारा ऋण प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Aarti Singh Malhotra alias Aarti Singh D/o Ramanand Singh Ex Wife of Ashish Kumar Singh resident of 701A, Express Greens Adjacent to Gulmohar Appartment, Plot No-D10, Sector 44,Noida ,Noida ,PO: Noida Sector 45,DIST: Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201303, declare that I got divorce from my husband vide Court decree HMA No.623/2021. dated 26.07.2021.Further I have changed the name of my minor daughter Akshiti Singh aged 13 years and she shall hereafter be known as Akshiti Malhotra for all Purposes.Which may be amended accordingly

सार्वजनिक सूचना / बेदखली नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती जुबैदा खातून, पत्नी श्री मोहम्मद सुआलीन, निवासी मकान संख्या 2513, तीसरी मंजलि, फाटक छोटा चमनवाड़ा, तिलक बाज़ार, लाहौरी गेट, दिल्ली, ने दिनांक 21.10.2026 से अपने पुत्र बिलाल सुआलीन तथा उसकी पत्नी अलीज़ा से अपने सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं और उन्हें अपनी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि भविष्य में उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा किसी भी प्रकार का लेन-देन, क्रय-विक्रय, आपराधिक कृत्य अथवा कोई फौजदारी मुकदमा किया जाता है या वे किसी अन्य व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का व्यवहार करते हैं, तो मेरी मुवक्किल का उनसे किसी भी प्रकार का लेना-देना, संबंध या जिम्मेदारी नहीं होगी। अत: सर्वसाधारण इस सूचना को ध्यान में रखें।
LAKSHMI ADV
Chamber No. 6, Civil Supply Building, Tis Hazari Courts, Delhi

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री प्रहलाद सिंह के पुत्र श्री मुकेश, भारत नगर, पहाड़गंज, दिल्ली-110055 (वार्ड नंबर XV) में स्थित निर्मित संपत्ति (संख्या 5274, क्षेत्रफल 22 वर्ग गज यानी 18.39 वर्ग मीटर) के गालिक है। यह स्वामित्व उन्हें श्री ज्ञान बंद के पुत्र श्री प्रहलाद सिंह द्वारा 23.02.2021 को निष्पादित और दस्तावेज़ संख्या 829 के तहत विधिवत पंजीकृत रजिस्टर्ड GPA (रक संबंध के आधार पर) से प्राप्त हुआ है। इसके बाद, श्री मुकेश ने अपनी पत्नी श्रीमती पूजा के पक्ष में एक गिफ्ट दीड (उपहार विलेख) निष्पादित की है, जिससे श्रीमती पूजा उक्त संपत्ति (MPL संख्या 5274, क्षेत्रफल 22 वर्ग गज यानी 18.39 वर्ग मीटर, वार्ड नंबर XV, भारत नगर, पहाड़गंज, दिल्ली-110055) की मालकिन बन गई हैं। इस संपत्ति के लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दाना, अधिकार, एक या कोई बिबाद है, तो कृपया इस सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 8130309204

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव पर नया अपडेट, जानिए क्यों टल रही इलेक्शन की तारीख

एजेंसी

पटना। बिहार में विधान परिषद चुनाव के अलावा पंचायत चुनाव भी होने वाला है, जिसकी तैयारी तेज कर दी गई है. वोटर लिस्ट रिविजन पर जोर दिया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र वोटर ना रह जाए. इसके लिए अभियान भी चलाया जाएगा. बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर अपडेट है. फिलहाल परिसीमन का काम कराया जा रहा है. यह काम खत्म होने के बाद ही पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खुद ही यह जानकारी दी थी. पटना में एक कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के वक्त उन्होंने स्पष्ट किया था कि परिसीमन के बाद पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. इस वजह से टल रहा चुनाव जानकारी के मुताबिक, पंचायत चुनाव इसी साल नवंबर या दिसंबर महीने में कराया जाना था. लेकिन अब तक तारीख को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया. बताया जा रहा है कि यह चुनाव ईबीसी के आरक्षण के मुद्दे की वजह से टल गया है. इसके साथ ही परिसीमन का काम कराया जा रहा है. साथ ही वोटर लिस्ट रिविजन पर भी जोर दिया जा रहा है. वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए चलेगा अभियान ऐसा बताया जा रहा है कि वोटर लिस्ट रिविजन का काम मोतिहारी से शुरू किया जाएगा. इसके तहत नए और पात्र वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े जायेंगे. इसके लिए अभियान चलाया जाएगा. कई जिलों में शिविर लगाए जायेंगे और छूटे हुए पात्र वोटर्स के नाम लिस्ट में जोड़े जाने की तैयारी है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें कब तक हो सकता है चुनाव? ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर अगले साल यानी 2027 में पंचायत चुनाव होता है तो मार्च या फिर अप्रैल महीने में आयोजित हो सकता है. लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. पंचायत चुनाव के माध्यम से गांव के मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य और जिला परिषद प्रतिनिधियों का चुनाव होता है. ग्रामीणों से की जा रही अपील मिली जानकारी के अनुसार, इस बार वोटर्स के पास सिर्फ वोटर कार्ड ही होना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि उनका नाम आधिकारिक रूप से लिस्ट में शामिल होना अनिवार्य होगा. इस स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों से यह अपील की जा रही है कि निर्वाचन कार्यालय या फिर स्थानीय स्तर पर अपनी पात्रता और नाम शामिल होने की मौजूदगी की पुष्टि कर लें. ऐसा करने पर ही वोटिंग के वक्त किसी भी तरह की परेशानी से बच सकते हैं.

प्रचार का आज आखिरी दिन, 8 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को होगी वोटिंग

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. ऐसे में आज (21 अक्टूबर) शाम तक चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा. आखिरी दिन अपने-अपने पार्टी के प्रत्याशियों की जीत के लिए नेता पूरी ताकत झोंक देंगे. बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होना है. इसके लिए तमाम राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की ओर से लगातार प्रचार किए जा रहे थे. ऐसे में आज चुनावी प्रचार का आखिरी दिन है. आज शाम 5 बजे तक ही प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया जा सकता है. इसके बाद यह दौर थम जाएगा. पटना स्नातक सीट पर मुकाबला रोचक पटना स्नातक सीट की माने तो, यहां बेहद दिलचस्प मुकाबला माना जा रहा है. 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. इस सीट पर मुकाबला जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह और जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार के बीच है. अनुज सिंह का समर्थन जेडीयू के मोकामा से विधायक अनंत सिंह कर रहे हैं. ऐसे में मुख्य रूप से मुकाबला अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच ही माना जा रहा है. प्रत्याशियों के लिए किया गया प्रचार-प्रसार ऐसी संभावना जताई जा रही है कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तमाम राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने प्रत्याशी की जीत के लिए ताकत झोंक देंगे. इससे पहले भी कई नेता उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए दिख चुके हैं. कहीं रैलियां की जा रही हैं तो कहीं जनसभाएं. कहीं-कहीं जनता से वन टू वन बातचीत कर कई तरह के वादे किए जा रहे हैं. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें 164 उम्मीदवार चुनावी मैदान में जानकारी के मुताबिक, चुनाव के 8 सीटों में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 164 उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन किया है. शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 66 उम्मीदवार जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 98 उम्मीदवार शामिल है. चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी. इसके बाद 27 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी. किस पार्टी से कितने उम्मीदवार? एनडीए की ओर से 4 जेडीयू और 4 बीजेपी के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. आरजेडी की बात करें तो, 6 सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए है. जबकि जन सुराज की बात करें तो, सभी 8 सीटों पर उम्मीदवार उतारे गिए हैं. इसके अलावा कांग्रेस और वाम दलों के उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं. कई सीटों पर एक ही गठबंधन के अलग-अलग दलों के प्रत्याशियों के बीच टक्कर देखने के लिए मिल सकती है. पटना स्नातक सीट की बात करें तो, यहां जेडीयू से प्रत्याशी नीरज कुमार चुनावी मैदान में हैं. जन सुराज से अनुज सिंह, आरजेडी से दिलीप कुमार और कांग्रेस से असदुल्लाह खान के बीच मुकाबला होगा. इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प इस वजह से हो गया क्योंकि जेडीयू के विधायक अनंत सिंह जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार का समर्थन करने के बजाय जन सुराज के अनुज सिंह का कर रहे हैं. इतना ही नहीं, दोनों नेता एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगा रहे हैं.

बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते से बढ़ेगी ठंड, छा सकता है कोहरा, सुबह-शाम महसूस हो रही ठंड

एजेंसी

पटना। बिहार में मौसम इन दिनों बदल गया है. सुबह और शाम के वक्त ठंड महसूस हो रही है. इस बीच मौसम विभाग की माने तो, नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. कई इलाकों में कोहरा छाया रह सकता है. तापमान में भी गिरावट हो सकती है. बिहार से अब मॉनसून की पूरी तरह से विदाई हो गई है. किसी भी जिले में बारिश की गतिविधि देखने के लिए नहीं मिल रही है. ऐसे में अब ठंड धीरे-धीरे दस्तक दे रही है. सुबह और शाम के वक्त तापमान में थोड़ी गिरावट होने की वजह से ठंड महसूस हो रही है. लेकिन दोपहर के वक्त धूप खिल जाने की वजह से गर्मी का भी एहसास हो रहा है. बिहार में आज का मौसम मौसम विभाग की माने तो, आज किसी भी जिले में बारिश को लेकर चेतावनी जारी नहीं की गई है. ज्यादातर जिलों में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा. आसमान भी पूरी तरह से साफ रहेगा. किसी-किसी हिस्से में कोहरा छाया रह सकता है. लेकिन दोपहर के वक्त मौसम सामान्य रह सकता है. अगले एक हफ्ते तक मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना जताई गई है. नवंबर से बढ़ सकती है ठंड मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है. नवंबर के महीने में थोड़ी ज्यादा ठंड महसूस हो सकती है. लेकिन कड़ाके की ठंड को लेकर अब तक किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है. इस तरह से आने वाले महीने में मौसम में अच्छा खासा बदलाव हो सकता है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें क्या कहना है मौसम वैज्ञानिकों का? मौसम वैज्ञानिकों की माने तो, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के ऊपर समुद्र तल से लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक एक परिसंचरण बना हुआ है. मध्य क्षोभमंडल में एक ट्रफ भी मौजूद है. उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के इलाके में समुद्र तल से करीब 1.5 किलोमीटर ऊपर तक एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण एक्टिव है. पटना में मौसम का हाल पटना में मौसम की बात करें तो, राजधानी में मौसम इन दिनों सामान्य बना हुआ है. किसी भी हिस्से में बारिश की गतिविधियां देखने के लिए नहीं मिल रही हैं. आज भी मौसम साफ और शुष्क बने रहने की ही संभावना जताई गई है. लेकिन दोपहर तक धूप की वजह से थोड़ी गर्मी महसूस हो सकती है. जिले का अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस तक बना रह सकता है.

दिवाली-छठ पर सीवान और हाजीपुर के यात्रियों को राहत, चंडीगढ़-बरौनी स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से, जानें टाइम टेबल

एजेंसी

पटना। दिवाली और छठ पर बिहार लौटने वालों के लिए चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से शुरू होगी. सीवान और हाजीपुर में ठहराव के साथ दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. दीपावली और छठ पूजा पर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ से बिहार लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने राहत भरी खबर दी है. त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए चंडीगढ़ और बरौनी के बीच साप्ताहिक आरक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है. ट्रेन संख्या 04536/04535 गोरखपुर के रास्ते चलेगी और दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. खास बात यह है कि इस ट्रेन का ठहराव सीवान और हाजीपुर दोनों



स्टेशनों पर होगा. इससे सारण प्रमंडल और वैशाली जिले समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को त्योहार पर घर आने-जाने में सुविधा मिलेगी. 23 अक्टूबर से चंडीगढ़ से शुरू होगी स्पेशल ट्रेन पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 04536 चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक त्योहार विशेष ट्रेन 23 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को संचालित होगी. यह ट्रेन चंडीगढ़ से रात 11:45 बजे रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. रास्ते में गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी समेत प्रमुख स्टेशनों पर इसका ठहराव निर्धारित किया गया है. सीवान में शाम 7:10 बजे और हाजीपुर में रात 10:05 बजे पहुंचेगी ट्रेन चंडीगढ़ से शुक्रवार की रात रवाना होने वाली ट्रेन अगले दिन शनिवार को शाम पांच बजे गोरखपुर पहुंचेगी. इसके बाद शाम 6:05 बजे देवरिया सदर और शाम 7:10 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी. सीवान से आगे बढ़ने के बाद ट्रेन रात 8:30 बजे छपरा, रात 9:50 बजे सोनपुर और रात 10:05 बजे हाजीपुर पहुंचेगी. इसके बाद रात 11:02 बजे शाहपुर पटोरी होते हुए रविवार की रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. इस ट्रेन से सीवान और वैशाली जिले के उन यात्रियों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है, जो चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में काम करते हैं और दीपावली तथा छठ पूजा पर अपने घर लौटना चाहते हैं. बरौनी से 25 अक्टूबर से प्रत्येक रविवार को होगी वापसी वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 04535 बरौनी-चंडीगढ़ साप्ताहिक त्योहार स्पेशल 25 अक्टूबर से 29 नवंबर 2026 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी. यह ट्रेन बरौनी से रात 2:35 बजे रवाना होगी. इसके बाद सुबह 3:37 बजे शाहपुर पटोरी, सुबह 5:05 बजे हाजीपुर, सुबह 5:17 बजे सोनपुर और सुबह 7:05 बजे छपरा पहुंचेगी. छपरा के बाद ट्रेन सुबह 7:55 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी. इसके बाद सुबह 8:55 बजे देवरिया सदर और सुबह 10:20 बजे गोरखपुर होते हुए चंडीगढ़ की ओर रवाना होगी. आशय शनिवार की मध्यरात्रि के बाद रविवार को 00:30 बजे है. यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक समय-सारणी की पुष्टि करें. 16 कोचों की होगी ट्रेन, सभी यात्री कोच वातानुकूलित रेलवे प्रशासन के अनुसार, चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक त्योहार स्पेशल ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए जाएंगे. इनमें थर्ड एसी के 11 कोच, सेकंड एसी के तीन कोच और जनरेटर सह लगेज यान के दो कोच शामिल होंगे. इस प्रकार ट्रेन के सभी 14 यात्री कोच वातानुकूलित होंगे. ट्रेन आरक्षित श्रेणी की होगी. यात्रियों को टिकट की उपलब्धता के अनुसार आरक्षण कराना होगा. दिवाली और छठ पर घर लौटने वाले प्रवासियों को मिलेगी सुविधा त्योहारी सीजन में चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में बिहार के लोग अपने घर लौटते हैं. विशेष रूप से छठ पूजा के समय नियमित ट्रेनों में सीटों की मांग काफी बढ़ जाती है. ऐसे में चंडीगढ़-बरौनी त्योहार स्पेशल ट्रेन शुरू होने से सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और आसपास के जिलों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सेवा का विकल्प मिलेगा. यात्रियों को सलाह दी गई है

मनेर में कांग्रेस की बैठक, डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकताओं ने बनाई रणनीति

एजेंसी

पटना। स्नातक निर्वाचन के लिए मनेर में कांग्रेस की बैठक हुई. डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकताओं ने चुनावी रणनीति बनाई और जनसंपर्क तेज करने पर जोर दिया. मनेर स्नातक निर्वाचन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. चुनाव की तैयारी के तहत पटना जिले के मनेर नगर परिषद क्षेत्र के गांधी हाट मोड़ स्थित कम्युनिटी हॉल परिसर में कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई. बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए. इस दौरान चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई. कार्यकताओं से जनसंपर्क तेज करने की अपील बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस नेता चौधरी ब्रह्मप्रकाश यादव ने की, जबकि संचालन अरुण आर्य ने किया. इस दौरान स्नातक उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, विचारधारा और चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी अभियान में जुटने तथा अधिक से अधिक स्नातक मतदाताओं तक पहुंचने की अपील की. घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क बैठक में शामिल कार्यकताओं ने चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में जनसंपर्क अभियान तेज करने पर जोर दिया. कार्यकताओं के अनुसार, स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की जा रही है. इस दौरान उन्हें उम्मीदवार और कांग्रेस पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है. कार्यकताओं ने चुनाव में उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया. संगठन मजबूत करने पर जोर बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकताओं ने चुनाव तक जनसंपर्क अभियान को और तेज करने तथा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया. कार्यकताओं ने भरोसा जताया कि लगातार जनसंपर्क और सामूहिक प्रयासों से चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल करने की दिशा में काम किया जाएगा.

मसौढ़ी गांधी मैदान में रावण दहन के बाद भगदड़ जैसे हालात

एजेंसी

पटना। मसौढ़ी गांधी मैदान में रावण दहन के बाद भगदड़ से 4 महिलाएं घायल हो गईं. निकास द्वार पर भीड़ का दबाव बना, एक महिला की हालत गंभीर. घटना की पूरी जानकारी. मसौढ़ी नगर स्थित गांधी मैदान में मंगलवार की शाम रावण वध समारोह संपन्न होने के बाद घर लौटने की होड़ में मुख्य निकास द्वार पर अचानक भीड़ का भारी दबाव बढ़ गया. इस दौरान कुछ महिलाएं अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ीं, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसी अफरा-तफरी मच गई. भीड़ के पैरों तले दबने से चार महिलाएं जख्मी हो गईं. इनमें से एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य घायलों को आसपास के निजी व स्थानीय अस्पतालों में प्राथमिक उपचार दिलाया गया. अनुमंडल प्रशासन ने भी चार महिलाओं के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि की है.



प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतला दहन समाप्त होते ही हजारों की संख्या में लोग एक साथ मैदान से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे. मुख्य गेट के पास सड़क की तुलना में मैदान का जमीनी स्तर नीचा होने की वजह से अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई. इसी आपाधापी में आगे चल रही महिलाएं लड़खड़ाकर गिर पड़ीं और उनके ऊपर पीछे से आ रही भीड़ का दबाव बन गया. घटना के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई, सड़क पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की चप्पलें बिखर गईं और लोग अपनों की तलाश में बदहवास नजर आए. हालात बेकाबू होते देख स्थानीय युवाओं ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल मोर्चा संभाला. युवाओं ने भीड़ में फंसी महिलाओं और रोते-बिलखते बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला. भारी भीड़ और जाम के चलते एंबुलेंस को मौके तक पहुंचने में भारी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा था. ऐसे में स्थानीय युवकों ने घायल महिलाओं को अपनी स्कूटी पर बैठाकर तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया. सूचना मिलते ही एसडीओ धनराज कुमार और एसडीपीओ राघव दयाल मौके पर पहुंचे और युवाओं के सहयोग से मोर्चा संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ा हादसा समय रहते टल गया. घटना के समय बाजार से राम-जानकी का रथ भी गुजर रहा था, जिसके चलते गंभीर घायल महिला को अनुमंडल अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस को भी रास्ते में काफी देर तक जाम में जूझना पड़ा. स्थानीय नागरिकों ने इस अव्यवस्था को लेकर आयोजन समिति और प्रशासन के इंतजामों पर कड़े सवाल खड़े किए हैं. लोगों का आरोप है कि आयोजन समिति के अधिकांश प्रशासन ने स्थिति को किया नियंत्रित हालांकि, समय रहते प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय युवाओं की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन इस घटना ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में निकास प्रबंधन और आपदा सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है.

बीमार नीरज कुमार से मिलने पहुंचे बिहार के सीएम और डिप्टी सीएम, साथ में मौजूद रहे संजय सरावगी

एजेंसी

पटना। मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी जेडीयू एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना. जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें पटना स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हार्ट से जुड़ी परेशानी के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है. नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मेदांता



अस्पताल पहुंचे. तीनों नेताओं ने नीरज कुमार का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. हार्ट से जुड़ी परेशानी के बाद अस्पताल में भर्ती मिली जानकारी के अनुसार, नीरज कुमार पहले से ही हार्ट संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं. इसी बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख रही है. पटना स्नातक सीट से जेडीयू के प्रत्याशी हैं नीरज कुमार नीरज कुमार पटना स्नातक सीट से जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी हैं. चुनावी सरगर्मी के बीच उनकी तबीयत खराब होने की खबर सामने आयी है. इस चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हैं. बताया जा रहा है कि चुनाव में नीरज कुमार को अपनी ही पार्टी के विधायक अनंत सिंह की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. अनंत सिंह जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और उनके पक्ष में वोट मांग रहे हैं. फिलहाल नीरज कुमार का मेदांता अस्पताल में इलाज जारी है. उनके स्वास्थ्य को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गयी है.

मनेर में कब्रिस्तान के पास मिला 30 वर्षीय युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी

पटना। पटना के मनेर में कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला है. परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर गांव में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला. शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं होने लगीं. सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई मृतक की पहचान मृतक की पहचान ब्यापुर गांव निवासी जाहिद हुसैन के 30 वर्षीय पुत्र सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई है. युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने जताई हत्या की आशंका युवक की मौत के बाद उसके परिजनों ने हत्या किए जाने की आशंका जताई है. हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई. पुलिस ने भी मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मनेर पुलिस ब्यापुर गांव स्थित कब्रिस्तान के पास शव मिलने की



सूचना पुलिस को दी गई. इसके बाद मनेर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, दानापुर भेज दिया. ग्रामीणों की भीड़ से सड़क पर आवागमन प्रभावित घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए. अचानक भीड़ बढ़ने से सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई. कुछ समय तक लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा. युवक की संदिग्ध मौत के बाद ब्यापुर गांव में शोक का माहौल है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का चलेगा पता फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है.

पप्पू यादव की बिगड़ी तबीयत, अचानक आने लगा चक्कर, गिरते-गिरते बचे सांसद

एजेंसी

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की अचानक तबीयत बिगड़ गई. एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें चक्कर आने लगा. वे गिरते-गिरते बचे. पप्पू यादव के साथ मौजूद लोगों ने उन्हें किसी तरह संभाला. इस पूरे वाकये से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है. जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार के बाद अब पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की तबीतय अचानक बिगड़ गई है. वे कटिहार जिले में एक कार्यक्रम के सिलसिले में पहुंचे थे. वे कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए गए थे, लेकिन तभी उन्हें अचानक चक्कर आने लगा. इस दौरान लोगों की काफी भीड़ जुटी थी. किसी तरह से लोगों ने उन्हें संभाला. इस दौरान पप्पू यादव गिरते-गिरते बचे. कार्यक्रम के उद्घाटन से



पहले आया चक्कर जानकारी के मुताबिक, जिले में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक होने वाला था. इसी का उद्घाटन करने के लिए पप्पू यादव को आमंत्रित किया गया. इस पूरे वाकये से जुड़े वीडियो में यह देखा गया कि पप्पू यादव के आसपास लोगों की काफी ज्यादा भीड़ जुटी थी. पप्पू यादव के हाथ में माइक भी था. लेकिन अचानक चक्कर आने की वजह से वह लड़खड़ाने लगे. इसके बाद जल्दबाजी में उनके लिए कुर्सी मंगाई गई.पूरे मामले से जुड़ा वीडियो आया सामने वीडियो में देखा गया कि पप्पू यादव हाथ से इशारा करते हुए बता रहे हैं कि उन्हें चक्कर आ रहा है. इसके बाद सांसद के सिर पर पानी डाला गया. कुछ देर बाद उन्हें थोड़ी राहत मिलती है. पप्पू यादव की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें कार्यक्रम से वापस लौट आना पड़ा. बताया जा रहा है कि दुर्गा पूजा को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. पप्पू यादव ने माता रानी का दर्शन किया था. इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी. नीरज कुमार की भी बिगड़ी थी तबीयत इससे पहले मंगलवार को जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार की भी तबीयत खराब होने की खबर सामने आई थी. बताया गया था कि सोमवार की रात ही उन्हें हार्ट अटैक आया था. इसके बाद नीरज कुमार को मेदांता अस्पताल ले जाया गया. यहां उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया. बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अस्पताल जाकर नीरज कुमार से मुलाकात कर उनका हालचाल भी जाना था.

बोचहां में तीन जगहों पर हुआ रावण दहन, जय श्रीराम के नारों से गूंजा पूरा इलाका

एजेंसी

पटना। बोचहां प्रखंड में दशहरा पर रावण दहन धूमधाम से हुआ। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, जय श्रीराम के नारों से गूंजा इलाका। रावण दहन बोचहांः विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को बोचहां प्रखंड क्षेत्र में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन धूमधाम से संपन्न हुआ. प्रखंड क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों पर वैदिक विधि-विधान और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद रावण के विशालकाय पुतलों में आग लगाई गई. रावण का दहन होते ही पूरा इलाका भगवान श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा. इस दौरान मेले जैसा माहौल रहा और दृश्य देखने के लिए ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा. मैदापुर के शुक्र हाट बाजार में पूजा-अर्चना के बाद दहन बोचहां थाना क्षेत्र की मैदापुर पंचायत स्थित प्रसिद्ध शुक्र हाट बाजार में दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत में पूजा समिति के अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी ने विधिवत मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की. इसके पश्चात प्रतीकात्मक रूप से तीरों की वर्षा कर रावण के पुतले को धू-धू कर जला दिया गया. इस दौरान हजारों दर्शकों ने जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया. बरहेता और बलुआहां में भी उमड़ा जनसैलाब मैदापुर के अलावा प्रखंड के दो अन्य प्रमुख ग्रामीण इलाकों में भी परंपरागत तरीके से पुतला दहन किया गयाः बरहेता गांव (भुताने पंचायत): यहां बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पहुंचकर रावण दहन का आकर्षक नजारा देखा. बलुआहां (नरकटिया पंचायत): यहां भी ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ उत्सव में भागीदारी निभाई.

बच्चों के टैलेंट को मंच देगा 'किड्स फेस्टिव बाजार'

रविवार को श्याम पैलेस में होगा आयोजन, शॉपिंग स्टॉल, गेम्स और टैलेंट शो रहेंगे आकर्षण

इंदौर बच्चों की रचनात्मकता और हुनर को मंच देने के लिए 25 अक्टूबर को 'दीवाली फेस्टिवल-किड्स फेस्टिव बाजार' का आयोजन किया जाएगा। क्रिएटिव कोच राधिका लड्ढा की ओर से आयोजित यह फेस्टिवल फूटी कोठी स्थित श्याम पैलेस में होगा। आयोजन में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। रविवार को सुबह 11 से शाम 7 बजे तक होने वाले इस फेस्टिवल में बच्चों द्वारा लगाए जाने वाले शॉपिंग स्टॉल, फूड स्टॉल, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके जरिए बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ खेल-खेल में कारोबार और उद्यमिता की बारीकियां सीखने का अवसर मिलेगा। परिवारों के लिए भी यहां खरीदारी, मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों का अनुभव रहेगा। आयोजक राधिका लड्ढा ने बताया कि फेस्टिवल का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने, नए विचारों को सामने लाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देना है। उन्होंने शहरवासियों से परिवार के साथ आयोजन में शामिल होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। राधिका बच्चों को वैदिक गणित, फॉनेटिक्स और स्पेलिंग की कक्षाओं के साथ समर कैंप के माध्यम से भी सीखने और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

त्योहारों के सीजन में नकदी मांग में तेजी, आरबीआई की वीआरआर नीलामी में मजबूत भागीदारी की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को होने वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रीपो नीलामी में बैंकों की मजबूत भागीदारी की उम्मीद है। इसकी मुख्य वजह यह है कि त्योहारों के मौसम में नकदी की निकासी में तेजी आई है, जिससे बैंकों में अतिरिक्त नकदी में कमी आई है और ओवरनाइट ब्याज दरों में वृद्धि हुई है। सोमवार को भारित औसत कॉल दर (डबल्यूएसीआर) 5.66 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर के करीब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रविवार को शुद्ध नकदी अधिशेष 1.85 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने सोमवार को 1 लाख करोड़ रुपए की वीआरआर नीलामी की थी, जो तीन महीने में पहली नीलामी थी। इस नीलामी में बैंकों ने 1.51 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जिसमें केंद्रीय बैंक ने 5.52 फीसदी की भारित औसत दर पर 1 लाख करोड़ रुपए की बोली स्वीकार की। यह दर कॉल रेट से काफी नीचे और 5.50 फीसदी की नीतिगत रीपो रेट से थोड़ा ऊपर थी। अब आरबीआई बुधवार को अगली नीलामी में 50,000 करोड़ रुपए की पेशकश करेगा। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि त्योहारों के सीजन में धन की निकासी के कारण अक्सर बैंकों की नकदी में गिरावट आती है, यह एक अस्थायी कमी है और आरबीआई वीआरआर जारी रखेगा। नकदी के रुख में हाल के समय में तेज बदलाव आया है। 29 जुलाई को अपनी पिछली वीआरआर नीलामी के बाद से, आरबीआई 6 अगस्त से लगातार नकदी खींचने का रुख अपना रहा था। इसकी वजह यह थी कि आरबीआई की रियायती स्वैप सुविधा के तहत एफसीएनआर-बी जमा से अतिरिक्त नकदी काफी बढ़ गई थी। आरबीआई ने 16 अक्टूबर से कड़े किए गए दैनिक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) की जरुरत की वजह से भी अधिशेष नकदी घटी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंचे, अब तक किए समझौतों से यह अलग होगा- ट्रंप

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच गए हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर हैं। रुबियो ने अपने दौरे में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल थे। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे समझौता करना चाहते हैं। हम भी समझौता करेंगे। हां, हम इसके काफी करीब हैं।÷ यह समझौता अब तक किए गए हमारे समझौतों से काफी अलग तरह का होगा। इस महीने की शुरुआत में भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने मिल्वॉकी और वाशिंगटन में व्यापार समझौते की बारीकियों पर गहन चर्चा की थी। बता दें भारत और अमेरिका ने इसी साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। हालांकि इसके बाद अमेरिका में आयात शुल्क से जुड़े नियमों और परिस्थितियों में कुछ बदलाव हुए।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 143, निफ्टी 77 अंक गिरा

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी चौतरफा बिकवाली हावी रहने से आई है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.21 अंक टूटकर 73,709.69 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 77.60 अंक नीचे आकर 22,811.35 पर बंद हुआ।

आज निफ्टी पर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, आयशर मोटर्स, एटरनल, ट्रेंट और मारुति सुजुकी शामिल रहे। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में उछला आया। पहले हाफ में जहां बाजार में तेजी रही। वहीं दूसरे हाफ में ये नीचे आया।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी इंडेक्स में बढ़त रही जबकि ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी, मीडिया, मेटल, फार्मा, रियल्टी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स, दोनों में ही गिरावट आई।

आज ब्रॉडर मार्केट में, मिड-कैप सूचकांकों के साथ ही स्मॉल-कैप सूचकांकों में भी गिरावट रही। वहीं सेक्टोरल मोर्चे पर, केवल



पांच सूचकांक ही बढ़त पर बंद हुए। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के साथ ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर हमले करने से भी बाजार में गिरावट आई। इससे निवेशकों में घबराट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

जिससे सेंसेक्स 74,500 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी 50 ने 23,000 का आंकड़ा छू लिया हालांकि समय के साथ बाहर में बिकवाली हावी होने लगी।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है है। बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इन दोनों ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में एक बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसने ग्राहकों में उत्साह है। आज के कारोबार में, सोने की कीमतों में 0.31त्न की उल्लेखनीय कमी देखी गई। 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना, जो कल तक 1,46,630 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था, वह आज 451 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

यह उन निवेशकों और उपभोक्ताओं के लिए निश्चित रूप से राहत की बात है, जो लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतज़ार कर रहे थे। देश के प्रमुख महानगरीय केंद्रों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पटना और लखनऊ में 24 कैरेट सोने का भाव एक समान रूप से 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जो पूरे देश में एक ही बाजार रुझान को प्रतिबिंबित करता है।

यह मूल्य में गिरावट उन व्यक्तियों के लिए एक शानदार अवसर प्रस्तुत करती है जो आभूषण खरीदने या अपनी बचत को सोने में निवेश करने की योजना बना रहे थे। वहीं सोने के साथ-साथ, चांदी की कीमतों में भी आज नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, कल 2,10,480.00 रुपए प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध चांदी की कीमत में 0.26 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस ताज़ा गिरावट के बाद, चांदी आज 545 रुपए सस्ती होकर 2,09,935 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री, हर लॉट पर 3,520 का मुनाफा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री हुई, जिससे निवेशकों को हर लॉट पर 3,520 रुपए तक का मुनाफा हुआ। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 271 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 23.61फीसदी प्रीमियम के साथ 335 रुपए पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर यह 334.40 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो इश्यू प्राइस से 23.39फीसदी ज्यादा था। आईपीओ में निवेशकों को प्रति लॉट 55 शेयर आवंटित किए गए थे, जिससे लिस्टिंग के दिन ही उन्हें 3,520 रुपए का मुनाफा मिला।

हालांकि, शुरुआती उछाल के बाद बीएसई पर शेयर ऊपरी स्तरों से टूटकर सुबह 10 बजकर 13 मिनट के आसपास 305 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था। एचडी फायर प्रोटेक्ट का आईपीओ 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक खुला था और इसे निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। आईपीओ करीब 130.81 गुना भरकर बंद हुआ था, जिसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 256.65 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 202.73 गुना और रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 28.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा भी 22.86 गुना भरा था। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने लगभग 712 रुपए करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसका प्राइस बैंड 258 रुपए से 271 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल था, जिसका मतलब है कि मौजूदा शेयरधारकों ने अपने शेयर बेचे और जुटाई गई रकम सीधे कंपनी को नहीं मिली।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में निकली एआई विशेषज्ञों की भर्ती

55 साल तक की उम्र के उम्मीदवार कर सकेंगे आवदेन, अंतिम तिथि 19 नवंबर

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अब एआई और डेटा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेषज्ञ की तलाश कर रहा है। बैंक ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (एससीओ) के पदों पर संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर भर्ती निकाली है, जिसमें चीफ एआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर और एआई आर्किटेक्ट जैसे कई अहम पदों को शामिल किया हैं। यह भर्ती सामान्य बैंकिंग पदों से हटकर आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों पर केंद्रित है। खास बात यह है कि कुछ वरिष्ठ पदों के लिए 55 साल तक के अनुभवी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई ने जनरल मैनेजर एवं चीफ एसआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर, एआई सॉल्यूशन आर्किटेक्ट और एंटरप्राइज एआई आर्किटेक्ट जैसे पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। चीफ एआई ऑफिसर पद के लिए न्यूनतम आयु 40 साल और अधिकतम 55 साल तय की गई है। इन पदों के लिए कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी शाखाओं में बीई, बीटेक या एमटेक की डिग्री या स्टैटिस्टिक्स या कंप्यूटर साइंस में एमएससी, एमए, एम स्टैट या एमसीए की डिग्री और संबंधित क्षेत्र में जरुरी पेशेवर अनुभव अनिवार्य है। डिप्टी जनरल मैनेजर के पदों के लिए आयु सीमा 35 से 50 साल, जबकि एआई आर्किटेक्ट पदों के



लिए 30 से 45 साल रखी है। सभी पदों के लिए संबंधित तकनीकी विषयों में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ पर्याप्त अनुभव होना भी जरुरी है।

चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों की योग्यता और अनुभव के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी, जिसके बाद इंटरव्यू होंगे। इंटरव्यू कुल 100 अंकों का होगा और इसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी। कुछ वरिष्ठ पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को 10 मिनट का प्रेजेंटेशन भी देना होगा, जिसमें उन्हें अपने अनुभव और परियोजनाओं के बारे में जानकारी देनी होगी। सफल उम्मीदवारों के लिए सीटीसी नेगोशिएशन का चरण भी होगा, क्योंकि ये नियुक्तियां तय अवधि के कॉन्ट्रैक्ट पर आधारित हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 19 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एसबीआई पर साइबर हमला-हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई।

भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है।

लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

हालांकि, एसबीआई ने आश्वस्त किया है कि इस घटना का बैंक के मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या व्यावसायिक निरंतरता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बैंक के कोर ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चल रहे हैं।

बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और बचाव प्रोटोकॉल को सक्रिय किया है। एसबीआई ने कहा कि वह लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत का पता लगाने, डेटा लीक के दायरे को समझने और ग्राहकों व बैंक के लिए जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच कर रहा है। सबसे पहले 19 अक्टूबर को इस संभावित डेटा लीक की रिपोर्ट दी थी। एसबीआई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के डेटा से जुड़े मामले की जांच जारी है। बैंक ने कहा है कि इस दौरान नियमों के अनुसार उचित कदम उठाए जाएंगे।

एसआईपी में निवेशक अब सीधे निवेश का विकल्प,परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

सितंबर 2026 तक डायरेक्ट प्लान के तहत पांच साल से ज्यादा समय से निवेशित म्युचुअल फंडों के सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा हो गया है। सितंबर 2021 में यह 6.9 फीसदी था जो बढ़कर 16.6 फीसदी पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत हैं कि निवेशक अब सीधे निवेश करने और कम खर्च वाले विकल्पों की तरफ झुक रहे हैं। हालांकि, इस श्रेणी में अभी भी रेग्युलर प्लान का दबदबा बरकरार है, जहां कुल 5.73 रुपए लाख करोड़ की एसआईपी परिसंपत्तियों में से 4.77 लाख करोड़ रुपए रेग्युलर प्लान के हैं। डायरेक्ट प्लान से जुड़े निवेशकों को बिना किसी मध्यस्थ के निवेश करने की सुविधा मिलती है और इनमें खर्च अनुपात कम होता है। इसके विपरीत, रेग्युलर प्लान व्यक्तिगत एजेंटों, बैंकों और वेल्थ मैनेजरों के जरिए बेचे जाते हैं और ये अक्सर लंबे समय तक चलते हैं क्योंकि इनमें निवेशकों को पेशेवर सलाह का लाभ मिलता है। अन्य अवधियों में भी डायरेक्ट प्लान की हिस्सेदारी में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे इनकी बढ़ती लोकप्रियता साफ झलकती है।

त्यौहारी सीजन में चीनी का कड़वा स्वाद-21 राज्यों में महंगाई चरम पर

कम बारिश की वजह से गन्ने के उत्पादन में आई कमी

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन के दौरान देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में चीनी की खुदरा महंगाई दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की खुदरा महंगाई दर अगस्त 2026 के 24.27 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 29.80 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो जनवरी 2026 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में चीनी की खुदरा महंगाई दर महज 1.44 प्रतिशत थी, जिसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, ओडिशा ऐसा राज्य रहा जहां चीनी की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया और सालाना महंगाई दर 37.48 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं, राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य रहा जहां कि सितंबर में चीनी की महंगाई दर में मामूली कमी देखी, जो अगस्त के 25.65 प्रतिशत से घटकर 25.15 प्रतिशत रह गई। चीनी के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का मुख्य कारण गन्ने के उत्पादन में कमी और इस साल कम बारिश होना माना जा रहा है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों, जैसे महाराष्ट्र और कर्नाटक, में अपर्याप्त बारिश के कारण चीनी के उत्पादन और बाजार में उसकी उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।खुदरा बाजार के विपरीत, थोक बाजार (डब्ल्यूपीआई) में चीनी की महंगाई दर में सितंबर महीने के दौरान कुछ गिरावट दर्ज की गई।

बैंक बंद-22 अक्टूबर को सिक्किम में अवकाश,अन्य राज्यों में भी लंबी छुट्टियों की कतार

नई दिल्ली ।

गुरुवार, 22 अक्टूबर को सिक्किम राज्य में बैंक बंद रहने वाले है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, दुर्गा पूजा और दशैन पर्व के उपलक्ष्य में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन सिक्किम में सभी सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक, जैसे भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि, अपनी सेवाएं निलंबित रहेगी। दुर्गा पूजा (दशैन) सिक्किम के नेपाली हिंदू समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस मौके पर देवी दुर्गा की पूजा की जाती है, और परिवार के बड़े सदस्यों द्वारा छोटों को माथे पर टीका लगाकर आशीर्वाद दिया जाता है।

सिक्किम में बैंक 23 अक्टूबर (शुक्रवार) को भी दुर्गा पूजा/दशैन के कारण बंद रहने वाले है। इसके बाद, देश भर में 24 अक्टूबर (चौथा शनिवार) और 25 अक्टूबर (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के कारण बैंक बंद रहने वाले है। जिससे कई राज्यों में लगातार छुट्टियों की स्थिति बन जाएगी।

अक्टूबर माह में अन्य प्रमुख बैंक अवकाशों में 26 अक्टूबर (सोमवार) को चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और त्रिपुरा में लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बैंक बंद रहने वाले है। वहीं, 29 अक्टूबर (गुरुवार) को करवा चौथ के मौके पर हिमाचल प्रदेश में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी, और 31 अक्टूबर (बुधवार) को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के कारण गुजरात में बैंक बंद रहने वाले है।

हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों के लिए ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं हमेशा की तरह चालू रहेंगी। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से आप धनराशि हस्तांतरित कर सकते है। एटीएम से नकदी निकालने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

जीयो आईपीओ का लक्ष्य मजबूत कारोबार और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है

आकाश बोले- जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड सेवाओं के विस्तार पर

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के खुदरा निवेशकों के लिए खुलने के अवसर पर कंपनी की भविष्य की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जियो का लक्ष्य सिर्फ सूचीबद्ध होना नहीं, बल्कि लंबे समय तक एक मजबूत कारोबार बनाना और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है। एक इंटरव्यू में आकाश अंबानी ने बताया कि जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड और अन्य डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने पर रहेगा। कंपनी केवल टैरिफ बढ़ाकर कमाई बढ़ाने की बजाय, नई सेवाओं और ग्राहकों द्वारा डेटा के बढ़ते इस्तेमाल पर जोर देगी। उन्होंने रिटेल निवेशकों से जियो को एक दीर्घकालिक व्यवसाय के रूप में देखने का आग्रह किया। अंबानी के मुताबिक जियो ने पिछले दस सालों में अपने नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सेवाओं



को विकसित करने पर काम किया है। अब शेयर बाजार में आने के बाद, कंपनी की जिम्मेदारी पारदर्शिता बनाए रखने, बेहतर गवर्नेंस अपनाने और कारोबार को सही दिशा में आगे बढ़ाने की होगी। जियो का नेटवर्क मजबूत माना जाता है, लेकिन कंपनी का औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियों से कम है। इस पर आकाश अंबानी ने कहा कि नेटवर्क से कमाई बढ़ाने का मतलब सिर्फ डेटा की कीमत बढ़ाना नहीं है। कंपनी होम ब्रॉडबैंड, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और उद्यमों को दी जाने वाली डिजिटल सेवाओं के विस्तार पर काम करेगी। इसके साथ ही ओटीटी वीडियो, संगीत, क्लाउड स्टोरेज और एआई-आधारित उत्पादों जैसी वैल्यू-एडेड सेवाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा।

सोने में गिरावट फिर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी, 4,451 करोड़ का निवेश आया

नई दिल्ली।

सोने की कीमतों में हाल में आई गिरावट के बावजूद गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। सितंबर 2026 में गोल्ड ईटीएफ में 4,451 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए के मुकाबले 71.4 फीसदी ज्यादा है। यह बढ़ोतरी तब हुई है जब सोने की कीमतें जनवरी 2026 के शिखर (5,595 डॉलर प्रति औंस) से लगभग 25 फीसदी टूटकर 4,200 डॉलर प्रति औंस पर आ गई हैं। दिवाली नजदीक आने के साथ त्योहारी मांग से सोने में निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ सकती है।

हालांकि, करीब 17 म्युचुअल फंड कंपनियों ने गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने वाली फंड ऑफ फंड्स योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। कोटक म्युचुअल फंड में ईटीएफ के फंड मैनेजर को उम्मीद है कि त्योहारी सीजन में गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड में निवेश बढ़ सकता है। हालिया गिरावट के बाद कीमतें कम होने से उन निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ सकती है, जो सोने में निवेश के लिए बेहतर कीमत का इंतजार कर रहे थे। वहीं, निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड में कमोडिटीज के हेड और फंड मैनेजर का मानना है कि भौतिक सोने की मांग कमजोर रहने के बावजूद त्योहारी सीजन में गोल्ड ईटीएफ में नया निवेश बढ़ सकता है, जैसा कि अतीत में भी देखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल इस उम्मीद में निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए कि सोने की कीमतें अब सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। निवेशक मौजूदा कीमतों पर धीरे-धीरे सोना खरीदना शुरू कर सकते हैं, जैसे गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड फंड के जरिए किस्तों में निवेश करने से खरीद की औसत कीमत को संतुलित करने में मदद मिलती है। उनका मानना है कि अगर सोने में निवेश का मकसद जोखिम को बांटना है, न कि कम समय में मुनाफा कमाना, तो पोर्टफोलियो में सोने के लिए कुछ हिस्सा तय करने का शायद ही कोई गलत समय होता है। सोने को छोटी अवधि में खरीद-बिक्री करने के बजाय मध्यम और लंबी अवधि में निवेश में विविधता लाने के लिए ज्यादा उपयुक्त माना जाता है।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



ललित गर्ग

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि



घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है।

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है।

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है।

अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अंधकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिजनों को सहायता देना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। सरकार जागे, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझे, आयोजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सीखेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारी व्यवस्थाएं बदलेंगी? और कितनी जिंदगियों की कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकुशल अपने घर लौटे।

संपादकीय

यूरोप में बवाल

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आगजनी और मॉल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदारीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी की खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं,वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौतरफा आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति शृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस-यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्राइल-हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गई। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया। दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है।

चिंतन-मनन

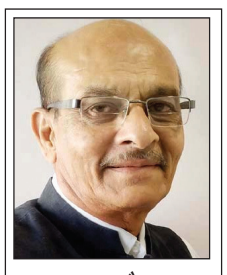
अंदर से खूबसुरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें।

लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं।

महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अष्टावप्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं। असली सौन्दर्य को आपने जाना ही नहीं। असली सुन्दरता ज्ञान है जो महात्मा अष्टावप्र के पास है। यह मेरे गुरू के समान हैं। सभासदों को सिर नीचे झुक गया। अष्टावप्र ने कई काव्य लिखे हैं। इन्होंने गीता की भी रचना की है जो अष्टावप्र गीता के नाम से विख्यात है।

जेल में बंद गैंगस्टर का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क, आखिर किसका संरक्षण?



सनत जैन

गुजरात की साबरमती जेल की हाई सिक्योरिटी सेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का कथित अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क भारत की कानून-व्यवस्था, जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि जेल की चारदीवारी के भीतर बंद कोई अपराधी देश-विदेश में बैठे अपने गुर्गों के माध्यम से धमकियां दिलवा सकता है, सुपारी देकर हत्याओं की साजिश रच सकता है और फिल्मी सितारों को निशाना बनाने की योजना बना सकता है, तो सवाल केवल एक गैंगस्टर का नहीं, बल्कि पूरे सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता का है। फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर कथित हमले के बाद सामने आई जानकारियों में आमिर खान, सलामन खान, अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार सहित कई फिल्मी सितारों की रेकी किए जाने के आरोपों ने मनोरंजन जगत में चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस द्वारा चार लोगों की गिरफ्तारी और उनसे पूछताछ में सामने आए कथित नेटवर्क की जानकारी मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। हालांकि, इन आरोपों और विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया से होना आवश्यक है। जांच से संबंधित दावों में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच प्रमुख हैंडलरों और करीब 700 गुर्गों के नेटवर्क का उल्लेख किया जा रहा है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में बैठे कथित सहयोगियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। टायसन बिश्नोई, अनिल पंडित, हरि बॉक्सर, हरमन संधू और हिमांशु सोनीपत जैसे नामों को नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप है कि गिरोह नए सदस्यों की भर्ती, हथियारों की व्यवस्था, जबरन वसूली, वित्तीय प्रबंधन और सोशल मीडिया के जरिए धमकियां फैलाने जैसे काम संगठित तरीके से करता है। संगठित अपराध अब केवल स्थानीय गिरोहों तक सीमित नहीं है। डिजिटल संचार, विदेशों में मौजूद सहयोगियों और कथित वित्तीय नेटवर्क के सहारे अपराधी सीमाओं से परे जाकर गतिविधियां संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई वर्ष 2015 से जेल में है। वह 2023 से साबरमती जेल में बंद है। इसके बावजूद उसके नाम से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों और धमकियों के लगातार सामने आने की खबरें सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करती हैं। जेलों में मोबाइल फोन मिलने, प्रतिबंधित सुविधाओं के इस्तेमाल और कैदियों के वीडियो वायरल होने जैसी घटनाएं भी चिंता बढ़ाती हैं। मूल प्रश्न है कि जेल में बंद किसी व्यक्ति के निर्देश बाहर तक कैसे पहुंचते हैं? क्या जेलों में संचार व्यवस्था की निगरानी पर्याप्त है? क्या जेल कर्मचारियों, बाहरी सहयोगियों और अवैध वित्तीय लेन-देन की प्रभावी जांच होती है? इन सवालों के जवाब तथ्यों और निष्पक्ष जांच के आधार पर सामने आने चाहिए। जब किसी गिरोह की गतिविधियों के तार अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक जुड़ने के आरोप सामने आते हैं, तब मामला केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, कारोबारियों और सार्वजनिक हस्तियों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे मामलों में संबंधित देशों के साथ खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन की निगरानी और संयुक्त जांच निर्णायक साबित हो सकती है। अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रिया के बावजूद यदि गिरोह की गतिविधियां जारी रहने के आरोप हैं, तो एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि नेटवर्क का संचालन किन माध्यमों से हो रहा है और उसकी आर्थिक ताकत कहां से आती है। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है, वह जेल में रहते हुए अपराध का संचालन न कर सके । यदि सुरक्षा में चूक, भ्रष्टाचार, अवैध संचार या प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिर वह कौन-सी व्यवस्था है, जिसमें जेल की सलाखें किसी अपराधी के अपराधों को बंद नहीं करा पा रही हैं? इसका जवाब बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, ठोस सबूतों और प्रभावी कार्रवाई से मिलेगा। फिल्मी सितारों की सुरक्षा से लेकर आम नागरिकों के जीवन तक, कानून का शासन सर्वोपरि होना चाहिए। किसी अपराधी का भय उसकी वास्तविक शक्ति से अधिक इसलिए नहीं बढ़ना चाहिए कि व्यवस्था उसके नेटवर्क को तोड़ने में असफल दिखाई दे। भारत की सुरक्षा एजेंसियों के सामने अब चुनौती केवल लॉरेंस बिश्नोई जैसे गैंगस्टरों को नियंत्रित करने की नहीं, बल्कि संगठित अपराध के उस पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की है, जो जेल की दीवारों से बाहर अपनी पहुंच बनाए रखने का दावा करता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: आर्थिक सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और राष्ट्रीय हितों की कसौटी



सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलते समीकरणों के बीच भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर सामने आए सकारात्मक संकेत दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का यह कहना कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अब कुछ ही मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है, इस दिशा में आगे बढ़ती बातचीत का संकेत देता है। हालांकि, किसी भी समझौते की वास्तविक सफलता केवल उसकी घोषणा या हस्ताक्षर से नहीं, बल्कि उससे मिलने वाले आर्थिक लाभ, व्यापारिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा से तय होती है। इसलिए भारत को इस समझौते की संभावनाओं के साथ-साथ उसकी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा।

भारत और अमेरिका के संबंध पिछले कुछ वर्षों में अनेक क्षेत्रों में विस्तारित हुए हैं। रक्षा, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, निवेश और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति जैसे विषयों पर दोनों देश लगातार सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में व्यापार समझौते को लेकर बनी सहमति की संभावना आर्थिक संबंधों को नई गति दे सकती है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि भारत और अमेरिका की आर्थिक प्राथमिकताएं, औद्योगिक संरचना और घरेलू बाजार की आवश्यकताएं एक-दूसरे से अलग हैं। इसलिए समझौते की दिशा में आगे बढ़ते हुए दोनों पक्षों को ऐसा संतुलन बनाना होगा, जिससे सहयोग बढ़े और किसी एक देश के हित दूसरे की कीमत पर प्रभावित न हों।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संकेत दिया कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं। उनके अनुसार, कुछ मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द औपचारिक घोषणा की उम्मीद की जा सकती है। इससे पहले भारत के वाणिय मंत्री पीयूष गोयल भी समझौते के पहले चरण को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जता चुके हैं। इन बयानों से स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने की राजनीतिक और कूटनीतिक इ%छा मौजूद है। फिर भी, जब तक समझौते की शर्तों, दायरे और समयसीमा को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आती, तब तक इसके संभावित परिणामों के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

व्यापार समझौते का उद्देश्य सामान्यत वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को आसान बनाना, शुल्क संबंधी बाधाओं को कम करना, निवेश को प्रोत्साहित करना तथा कारोबारियों के लिए बाजार तक पहुंच बेहतर करना होता है। भारत और अमेरिका के बीच ऐसा सहयोग मजबूत होता है तो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अधिक अवसर मिल सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियों को भी भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

लेकिन सवाल यह है कि इन अवसरों का लाभ किसे और कितना मिलेगा? क्या भारतीय छोटे और मध्यम उद्योगों को भी इससे फायदा पहुंचेगा, या लाभ मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों तक सीमित रह जाएगा? समझौते का मूल्यांकन इन प्रश्नों के आधार पर होना चाहिए।

अमेरिका दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसका बाजार भारतीय उत्पादों तथा सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। कपड़ा, परिधान, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। अनुकूल व्यापारिक शर्तें इन क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकती हैं।यदि भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलती है, तो निर्यात में वृद्धि की संभावना बनेगी। इससे उत्पादन बढ़ सकता है, नई इकाइयों में निवेश आकर्षित हो सकता है और रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से श्रम आधारित उद्योगों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन क्षेत्रों में उत्पादन और निर्यात की वृद्धि का सीधा संबंध रोजगार से हो सकता है। हालांकि, केवल बाजार तक पहुंच मिलना पर्याप्त नहीं है। भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता, लागत, तकनीकी दक्षता, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। सरकार को व्यापार समझौते के साथ-साथ घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सस्ता ऋ ण, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, बेहतर लॉजिस्टिक्स और निर्यात संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है। यदि छोटे उद्यमों को इन सुविधाओं से वंचित रखा गया, तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए अवसरों का लाभ बड़े कारोबारियों तक सीमित रहने की आशंका बनी रहेगी।

भारत और अमेरिका के बीच किसी भी व्यापार समझौते का सबसे संवेदनशील पक्ष कृषि और खाद्य क्षेत्र हो सकता है। भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार है। छोटे और सीमांत किसानों की आय, उत्पादन लागत, फसलों के उचित मूल्य तथा ग्रामीण रोजगार जैसे प्रश्न देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता से जुड़े हैं। अमेरिका में कृषि उत्पादन का बड़ा हिस्सा आधुनिक तकनीक, व्यापक कृषि भूमि और विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता से जुड़ा है। ऐसी परिस्थितियों में दोनों देशों के कृषि उत्पादकों की लागत और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति अलग हो सकती है। यदि किसी समझौते के तहत संवेदनशील कृषि उत्पादों के आयात पर बाधाएं कम की जाती हैं, तो भारतीय किसानों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढने की आशंका का मूल्यांकन करना आवश्यक होगा। इसका अर्थ यह नहीं कि कृषि व्यापार को पूरी तरह सीमित कर दिया जाए। कृषि उत्पादों का व्यापार दोनों देशों के लिए अवसर पैदा कर सकता है। लेकिन भारत को खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेना चाहिए। संवेदनशील उत्पादों के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा उपाय, स्पष्ट नियम और घरेलू उत्पादकों के हितों की रक्षा आवश्यक है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आर्थिक लाभ और सामाजिक दायित्व के बीच संतुलन बनाए। व्यापार समझौता ऐसा नहीं होना चाहिए, जिससे निर्यात बढ़ाने की उम्मीद में घरेलू किसानों और छोटे उत्पादकों की चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया जाए।

मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में बातचीत को महत्वपूर्ण बताया। यह तथ्य रेखांकित करता है कि भारत-अमेरिका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यापक रणनीतिक महत्व रखते हैं।

भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग महत्वपूर्ण है। विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा की उपलब्धता, तकनीकी सहयोग और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में सहयोग से आधुनिक तकनीक, उपकरणों के उत्पादन और औद्योगिक साझेदारी के अवसर बन सकते हैं।

तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भी विशेष महत्व रखता है। डिजिटल सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी भारत के विकास लक्ष्यों को समर्थन दे सकती है। हालांकि, तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा, घरेलू क्षमता निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा।

भारत को किसी भी साझेदारी में अपनी स्वतंत्र निर्णय क्षमता बनाए रखते हुए सहयोग के अवसरों का उपयोग करना चाहिए। मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अर्थ केवल किसी बड़े साझेदार के साथ निकटता नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र और संतुलित नीति अपनाना भी है।

व्यापार समझौते की घोषणा निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत दे सकती है, लेकिन उसकी सफलता का आकलन ठोस परिणामों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। क्या इससे भारतीय निर्यात में वास्तविक वृद्धि होगी? क्या निवेश बढ़ेगा? क्या रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे? क्या छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा? और क्या भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों की पर्याप्त सुरक्षा कर पाएगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर समझौते की शर्तें स्पष्ट होने के बाद ही मिल सकेंगे।सरकार को समझौते से संबंधित प्रमुख प्रावधानों को पारदर्शी तरीके से सामने लाना चाहिए।

सूडान में ड्रोन हमले: 160 से अधिक नागरिकों की जान गई, बच्चे सहित लोग निशाने पर

सूडान,एजेंसी। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच जारी गृहयुद्ध अब लोगों के लिए अत्यंत घातक मोड़ ले चुका है। हाल के दिनों में हुए भीषण ड्रोन हमलों में 160 से अधिक लोगों की जान गई है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। ये हमले भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और विस्थापित लोगों के ठिकानों को किए गए हैं, जिससे मानवीय त्रासदी और गहरी हो गई है। सबसे ज्यादा मौतों की खबर दक्षिण-पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोर्डोफान राज्य के अल-दिबाब शहर से आई है। यहां रविवार शाम एक बाजार के पास बस स्टॉप पर हुए ड्रोन हमले में करीब 80 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, और गंभीर रूप से घायल 47 लोगों में से 30 ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई। नागरिक हिंसा पर नजर रखने वाले संगठन इमरजेंसी ने हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है। इसी तरह, सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित अबेई क्षेत्र में सोमवार को एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में भी लगभग 73 लोग मारे गए। इस हमले का आरोप भी सूडानी सेना पर लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ब्लू नाइल प्रांत में विस्थापित लोगों के एक समूह पर हुए ड्रोन हमले में 41 लोगों की जान गई, जिसकी जानकारी इमरजेंसी सर्विस ने दी। राजधानी खार्तूम में हुए हमलों में तीन बच्चों की मौत हुई, जबकि दक्षिण दारफुर राज्य की राजधानी न्याला में 17 लोगों की जान गई, जिसमें आरएसएफ के सात अधिकारी शामिल थे।

पाक एयरलाइन में बड़ा घोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंग में की हेराफेरी

-कर्मचारी यात्रियों से एक्स्ट्रा-लेगरूम और बल्कहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर घोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एक्स्ट्रा-लेगरूम और बल्कहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फाइनेंस एंड ऑडिट कमिटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईए के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईए पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुप्रबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईए की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देनदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंततः जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईए अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।



देश की नकारात्मक छवि बनाने वाले आरोपों व अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल ना हो

भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना का दिया जवाब

जेनेवा, एजेंसी। भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोलते हुए, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताम्रकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ भारत का जुड़ाव बातचीत, परामर्श, सहयोग, गैर-चयनात्मकता और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ता है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार संवाद, परामर्श, सहयोग, निष्पक्षता और पारदर्शिता जैसे सिद्धांत होने चाहिए। उन्होंने सदस्य देशों को आगाह किया कि वे रिपोर्ट में दी गई बातों से आगे बढ़कर कोई निष्कर्ष न निकालें। उन्होंने कहा कि हम प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट का सही संदर्भ में हवाला दें, किसी मानवीय मुद्दे से जुड़ी जानकारी को एक अंतिम फैसले का रूप न दें।

भारत ने कहा कि वह उचित दस्तावेजों के साथ सामने आने वाले विशिष्ट मामलों पर, तय प्रक्रियाओं के जरिए चर्चा करने को तैयार है। हालांकि भारत ने उन कोशिशों का कड़ा विरोध किया, जिनमें बिना पुष्टि वाले आरोपों, अधूरे आंकड़ों या ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जाती है, जिनमें भारत से जुड़ी कोई ठोस टिप्पणी नहीं होती। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने यह भी तर्क दिया कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना को नई दिल्ली ने अनुचित और अपने आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य हस्तक्षेप करार दिया था। यह ताजा घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र के 20 से ज्यादा स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों के एक बयान के बाद सामने आया है। इन विशेषज्ञों ने मंगलवार को चिंता जताई थी कि युवाओं के नेतृत्व में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के खिलाफ पुलिस ने बार-बार बहुत कठोर रवैया अपनाया है।

विजयदशमी पर ईरान ने भारत को दी बधाई, बुराई के अंधकार को अच्छाई के प्रकाश से दूर करें

-अमेरिकी राष्ट्रपति पर कसा तंज- ट्रंप को रावण के रुप में किया पेश

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने विजयदशमी पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अनोखे और दिलचस्प अंदाज में तंज कसा है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था- जब ट्रंप को आखिरकार अपनी गलती का एहसास होता है। इस पोस्ट के जरिए ट्रंप को प्रतीकात्मक रूप से रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत के भारतीय त्योहार के प्रतीक का उपयोग करता है। संदेश में ईरान ने भारत के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि बुराई के अंधकार को हमेशा अच्छाई का प्रकाश दूर करे और सत्य, साहस व सद्भावना की जीत हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास ने उम्मीद जताई कि यह त्योहार भारत में शांति, समृद्धि, आपसी मेलजोल और खुशियां लेकर आएगा। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और आर्थिक टकराव जारी है, जिससे यह प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश और भी अहम हो जाता है। ऐसे में ट्रंप को लेकर साझा की गई तस्वीर के जरिए ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की है कि ट्रंप उसके मामलों में गलत हैं और ईरान सही है। यह तस्वीर अमेरिका के प्रति ईरान के विरोध और तंज वाले मीम की सीरीज का हिस्सा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी गंभीर बना हुआ है। ऐसे गंभीर भू-राजनीतिक माहौल में ईरान का यह प्रतीकात्मक और तंजपूर्ण संदेश सुर्खियां बटोर रहा है।

होर्मुज से गैस आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान का गहराया ऊर्जा संकट

-बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का बढ़ रहा इस्तेमाल

इस्लामाबाद,एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष और होर्मुज से गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पाकिस्तान एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। एलएनजी की कमी के चलते देश को सर्दियों में अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगी कीमतों पर एलएनजी खरीदनी पड़ सकती है। पाकिस्तान एलएनजी लिमिटेड के प्रमुख मसूद नबी ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति में बाधाएं बनी रहीं, तो आने वाले सर्दियों के महीने देश के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण साबित होंगे। एलएनजी गैस की कमी से बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इससे पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे लाहौर और पंजाब के दूसरे शहरों में जहरीले स्मॉग का संकट और गहरा सकता है। पाकिस्तान की एलएनजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों, खासकर कतर से आता है, लेकिन मिडिल ईस्ट में संघर्ष की वजह से होर्मुज से एलएनजी की ढुलाई प्रभावित हुई है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसे सर्दियों में गैस की जरूरत पूरी करने के लिए महंगे विकल्पों पर निर्भर होना पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2026 से फरवरी 2027 के बीच आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट से एलएनजी के 10 अतिरिक्त कार्गो खरीदने पड़ सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 अरब डॉलर से अधिक होगी। स्पॉट मार्केट से खरीदी जाने वाली गैस की कीमत कतर से मिलने वाली एलएनजी की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ साबित होगा। यदि प्रमुख आपूर्तिकर्ता देशों से गैस की आपूर्ति बाधित हो जाए या समुद्री मार्गों से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो, तो उसका असर बिजली, उद्योग, घरेलू जरूरतों और सरकारी वित्त पर एक साथ पड़ सकता है।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दंगों में बदलने और बड़े पैमाने पर हिंसा के पीछे 54 संगठनों और उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक नेटवर्क का हाथ होने का दावा सामने आया हैं। मीडिया रिपोर्ट इन घटनाओं की जटिलता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट समूह, छात्र संगठन, ट्रेड यूनियन, फिलिस्तीन समर्थक समूह और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान शामिल हैं, जिन्होंने फ्रांस को प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों में कथित रूप से भूमिका निभाई। रिपोर्ट में भारतीय मूल के वामपंथी विचारक और लेखक विजय प्रसाद का विशेष रूप से उल्लेख है। विजय प्रसाद ट्राइकॉन्टिनेंटल नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक हैं, इस संस्था को अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से वित्तीय सहायता



मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसे मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसौमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा कराने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।

मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप को झटका, लोकप्रियता हुई धड़ाम

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है, जो आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गई है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, केवल 31 फीसदी अमेरिकी ही ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो उनके दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले सामने आया है, जहां प्रतिनिधि सभा और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होना है। सर्वेक्षण में कांग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देने की बात कह रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में केवल 35 फीसदी मतदाता हैं। दो सप्ताह पहले के मुकाबले ट्रंप की लोकप्रियता एक प्रतिशत अंक और गिरी है, जबकि डेमोक्रेट का समर्थन 44 से बढ़कर 47 प्रतिशत और रिपब्लिकन का समर्थन 37 से घटकर 35 प्रतिशत हो गया है। इन नतीजों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधिसभा और सीनेट दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की उम्मीदों को मजबूत किया है।

भारतीय जेम्स बांड डोभाल से डरा पाकिस्तान... आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए जिम्मेदार

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने लगाया आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल (एनएसए डोभाल) को लेकर पाकिस्तान में अक्सर भय और चिंता का माहौल दिखाता है, जहाँ कई लोग किसी भी आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी कड़ी में, पाकिस्तान के परमाणु हथियारों से जुड़े एक वरिष्ठ सलाहकार ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के सलाहकार, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने भारत पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीधे तौर पर डोभाल सिद्धांत का कार्यान्वयन करार दिया है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करना है।

लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में जमील ने आरोप लगाया कि भारत अपनी नीति के तहत आंतकवाद का निर्यात कर रहा है और पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के सिद्धांत को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अपने दावों का समर्थन करने के लिए, उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें 1971 में मुक्ति वाहिनी और 1980 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) को भारत द्वारा कथित समर्थन शामिल है। जमील ने 2001 से 2014 के बीच अफ़ग़ानिस्तान में इंटरनेशनल सिक्योरिटी असिस्टेंस (आईएसएफ) के दौरान अफ़ग़ान-पाकिस्तान सीमा पर भारत द्वारा छह वाणिज्य दूतावास संचालित करने का भी जिक्र किया। जमील ने भारत पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका अर्थ है कि ये मिसाइलें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जा सकती हैं। हालांकि, यह दावा पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइलें केवल पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकती हैं और वे भारत की सामरिक बल कमान का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल इसी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने दक्षिण एशिया को परमाणु तबाही के कगार पर पहुंचा दिया था, और यह केवल पाकिस्तान के रणनीतिक संयम के कारण ही स्थिति को बिगड़ने से बचाया जा सका।



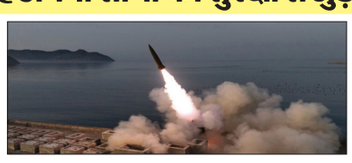
जमील ने स्वीडिश थिंक टैंक स्विपी के आकलन का हवाला देकर संकेत दिया कि भारत परमाणु पनडुब्बी से लांच होने वाली मिसाइलों (एसएलबीएम) को तैनात करके पहले हमला करने की क्षमता विकसित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने अब अपने कुछ परमाणु वॉरहेड को पनडुब्बी से लांच होने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ जोड़ दिया है। जमील ने मार्च 2022 में भारतीय वायुसेना द्वारा गलती से ब्रह्मोस मिसाइल लांच किए जाने की घटना को पाकिस्तान पर जानबूझकर किया गया ब्रह्मोस हमला करार दिया। यह मिसाइल एक अभ्यास के दौरान गलती से लांच हुई थी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में गिरी थी।

उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव फिर खतरनाक स्तर पर

दक्षिण कोरिया ने कहा- वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा

प्योंग यान,एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सीमा पर सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने और दक्षिण कोरिया के खिलाफ प्रोपेगेंडा अभियान दोबारा शुरू करने की धमकी दी है। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों को किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने सीमा पर टकराव का खतरा बढ़ा दिया है। किम यो जोंग ने धमकी देते हुए सीमा के हालात को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग दक्षिण



कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान फिर से शुरू करने और ज्यादा सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उत्तर कोरिया की इस चेतावनी के बाद दक्षिण कोरिया ने साफ कर दिया कि वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा।

दोनों देशों के बीच मौजूदा विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक माइन विस्फोट के बाद और बढ़ गया, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने सीमा के दक्षिणी हिस्से में माइंस बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते समय सैन्य सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के दौरान चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं और लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित किए, जिसे उत्तर कोरिया उकसावे वाला बता रहा है।

उत्तर कोरिया की धमकियों के बाद दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी के तौर पर गोली चलाना और प्रसारण करना रक्षात्मक उपाय हैं, जिनका मकसद उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकना है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिशों का जवाब देने की अपील की गई है।

भारत ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर की प्रतिबंध की मांग

जिनेवा, एजेंसी। अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण और इसके हथियारकरण से जुड़े गंभीर जोखिमों के बीच भारत ने बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर रोक लगाने के लिए एक व्यापक और कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि अपनाने की वकालत की है। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने हाल ही में कहा कि भारत एक ऐसे कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज को प्राथमिकता देता है, जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हो, सत्यापन योग्य हो और बहुपक्षीय बातचीत से तय किया गया हो। उन्होंने जोर दिया कि बाहरी अंतरिक्ष की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरों, गलतफहमी और गलत आकलन के जोखिमों के साथ-साथ अंतरिक्ष में बल प्रयोग क्या माना जाएगा, इन सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए।

किशोर ने ट्रक पर फायरिंग की फिर स्कूल में घुसकर तीन बच्चों व टीचर की कर दी हत्या

-मां ने बर्थडे पर बंदूक दी थी गिफ्ट, जांबाज राहगीर ने की हमलावर को रोकने की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में एक स्कूल में एक किशोर ने तीन बच्चों और एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी किशोर का नाम ग्रिफिन जे. जॉन द्वितीय बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा और हथियारों तक आसानी से पहुंच के मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात में इस्तेमाल की गई शॉटगन उसकी मां शॉन्टाई निकर्सन ने अगस्त 2026 में कानूनी रूप से खरीदी थी और जन्मदिन के तोहफे के रूप में अपने बेटे को दी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां ने यह बंदूक बेटे को मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करने के मकसद से दी थी, लेकिन इसका परिणाम घातक निकला। पुलिस के मुताबिक इस हमले में पांच साल के रोआम समर, 8 और 11 साल के दो अन्य बच्चों के साथ-साथ 25 साल की शिक्षिका मेगन लैम्बर्ट की जान चली गई। हमले में 7 साल की एक बच्ची और 54 साल की एक शिक्षिका भी घायल हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक घटना पिछले गुरुवार को हुई, जब जॉन द्वितीय ने स्कूल पहुंचने से पहले सड़क से गुजर रहे एक पिकअप ट्रक पर गोली चलाई। ट्रक के ड्राइवर ने ही सबसे पहले पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद किशोर ने स्कूल के बंद कांच वाले दरवाजों पर गोली चलाई और अंदर घुस गया। वह पहली कक्षा में पहुंचा और वहां मौजूद लोगों पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी के समय कक्षा में कुल नौ लोग मौजूद थे। हमलावर को रोकने में एक राहगीर ने बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने पहले पिकअप ट्रक पर हुई गोलीबारी देखी और फिर किशोर का पीछा करते हुए स्कूल के अंदर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि उस समय एक शिक्षिका आरोपी से बंदूक छीनने के लिए संघर्ष कर रही थीं, तभी दो छात्राओं के पिता जियामैंको कक्षा में पहुंचे और उन्होंने किशोर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जियामैंको के हस्तक्षेप से हमलावर को रोका जा सका, अन्यथा हताहतों की संख्या और बढ़ सकती थी। यह घटना अमेरिका में बंदूक नियंत्रण कानूनों की समीक्षा और किशोरों तक हथियारों की पहुंच पर बहस छेड़ दी है।

ग्लैमरस लुक के लिए

ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान रखना पड़ता है। समय से सोने, जागने, स्नान, ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यतित्व सामान्य से खास बन जाता है...





खूबसूरत दिखने की चाह हर स्त्री में होती हैं। आज की हर स्त्री अपने को खूबसूरत, अधिक से अधिक आकर्षक और ग्लैमरस दिखाना चाहती है। फैशन की होड़ में शामिल हर स्त्री अन्य सभी स्त्रियों को पीछे छोड़कर स्वयं आगे निकल जाना चाहती है। वह कुछ इस तरह सजना-संवरना चाहती है ताकि वही महफिल की शान बन सके। उसे जो देखे, वह देखता ही रह जाए। उसकी सुन्दरता की दाद दिये बिना वह न रह सके। यह भी सच है कि ग्लैमरस लड़कियां या किशोरियां ही आकर्षक भी लगती हैं।

ग्लैमर क्या है? इसके विषय में मतैक्य नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से इसे परिभाषित करते हैं। इसको लेकर सबकी अपनी अपनी और अलग-अलग सोच हैं। कभी साधारण नैन नक्शवाली सांवली सलोनी लड़कियां भी ग्लैमरस लगती हैं तो अति सुंदर और विशिष्ट अंगों वाली लड़कियां ग्लैमरस नहीं लगती। फैशनेबल, अंग दिखाऊ और उत्तेजक वस्त्रों को पहनकर कोई भी लड़की ग्लैमरस नहीं दिख सकती। अक्सर सामान्य लिबास में सजी अति साधारण लड़की भी अपने अन्य पूरक गुणों के आधार पर खास दिखाई देने लगती है और वह सबका मन मोह लेती है। ग्लैमरस दिखने या दिखाने के लिए देख, काल और अवसर के अनुसार परिधान धारण करना तथा उसी के अनुरूप मेकअप करना आवश्यक होता है। श्रृंगार में ज्वेलरी का अपना विशेष महत्व है इसलिए परिधान के अनुसार ही इसका चुनाव करना चाहिए। सादगी से किये गये श्रृंगार में रंगों का बड़ा ही महत्व होता है। साथ ही सलीके से पहना गया हो तो रौनक और बढ़ जाती है। एक लड़की के बालों का रबड़ बैंड टूटकर गिर गया। जब उसे मालूम हुआ तो उसने अपने रूमाल को स्टाइल से बालों में बांध लिया। वह चर्चा का विषय बन गई और काफी दिनों तक लड़कियां में बालों में रूमाल बांधने का स्टाइल चालू रहा। नमिता एक महत्वाकांक्षी लड़की है और एक कंपनी में काम करती है। उसे अपने रेशम से मुलायम और लहराते बालों पर बहुत नाज है और वह उन्हें सलीके से बांधे रखती है। उसे कंपनी के काम से दिन में कई जगह जाना पड़ता है। एक दिन वह किसी कंपनी में गई थी। वहां अचानक उसके बाल पता नहीं कैसे खुल गए। उसे सूझ नहीं रहा था कि अपने खुले बालों को कैसे संभाले। एकाएक उसके मन में एक युक्ति कौंधी और उसने फौरन अपनी ओढ़नी के एक छोर से बालों को बांध लिया और फिर स्टाइल से ओढ़नी ओढ़ ली। फिर क्या, मजबूरी में उसके द्वारा अपनाया गया यह स्टाइल औरों के लिए फैशन बन गया।

स्टाइल केवल परिधान या मेकअप में ही नहीं बल्कि बोलने के अंदाज, भाव भंगिमा, हंसने बोलने का तरीका, विनम्र स्वभाव, मीठी वाणी, परोपकार की भावना व सही समय पर की गई सही प्रतिक्रिया में भी होती है और ये आपको अति विशिष्ट बना देते हैं। ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यक्तित्व सामान्य से खास बन जाता है।

ग्लैमर एक अदा है जिसे विभिन्न गुणों और अंदाज से मूर्त रूप दिया जा सकता है। ग्लैमरस दिखने के लिए सस्ते या महंगे परिधान या ज्वेलरी के चकाचौंध की जरूरत नहीं होती। अगर आपका अपना स्टाइल है तो आपको ग्लैमरस बनने से कोई नहीं रोक सकता। आपकी सादगी और मोहक अंदाज आपको ग्लैमरस बना सकते हैं।

ऐगलैस केक



सामग्री : दही 1 कप, मैदा डेढ़ कप, चीनी 1 कप, मीठा सोडा आधा छोटा चम्मच, बेकिंग पाऊडर 1 छोटा चम्मच, रिफाइंड ऑयल आधा कप, वनिला एसैंस 8-10 बूंदें।

विधि : दही में चीनी डालें। मैदे में बेकिंग पाऊडर डाल कर उसे कम से कम तीन बार छानें। अब दही चीनी के मिश्रण में मीठा सोडा डाल कर थोड़ा फैंटे। बुलबुले उठने पर इसमें रिफाइंड ऑयल डालें फिर इसमें 1-1 चम्मच मैदा डाल कर मिश्रण को हिलाते जाएं। अंत में वनिला एसैंस डाल कर पुन: मिला लें। केक टिन में रिफाइंड ऑयल लगा कर उस पर थोड़ा मैदा डालें। फिर सारा मिश्रण इसमें डाल दें। अब अवन को 250 डिग्री सैंटीग्रेड पर 10 मिनट तक गर्म करें फिर केक टिन इसमें रखें और 150 डिग्री सैंटीग्रेड तापमान 30 मिनट के लिए बेक करें।

घर में ही बनायें फेसपैक

आज बाजार में विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध हैं जिन्हें अपनाकर महिलाएं जल्द से जल्द अपना सौंदर्य निखारना चाहती हैं मगर से सौंदर्य प्रसाधन कुछ समय तक ही चेहरे को ताजगी प्रदान करते हैं। कुछ समय बीतने के बाद इनका प्रभाव खत्म हो जाता है व चेहरे को इन सौंदर्य प्रसाधनों की जल्द आवश्यकता महसूस होने लगती है, फिर धीरे-धीरे यह एक आदत-सी बन जाती है। धनी महिलाओं के लिए तो यह सब उपयुक्त होता है मगर मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं के लिए इनका खर्च वहन करना मुश्किल हो जाता है।



त्वचा पर स्थायी निखार लाने हेतु घर पर ही फेसपैक बनाएं तो कम खर्च में ही आप लाभान्वित हो सकेंगी।

- चिरौंजी को कच्चे दूध में पीस लें। इस पेस्ट को त्वचा पर नियमित लगाने से त्वचा मुलायम हो जाएगी।
- चेहरे को साफ करने के लिए पके केले को फेंट कर चेहरे पर मलें। इससे मृत कोशिकाएं बाहर आ जाएंगी व चेहरा साफ हो जाएगा।
- खीरे का रस, गुलाबजल और ग्लिसरीन को मिलाकर लेप बनाएं। इसे चेहरे पर लगा कर सूखने दें। सूखने के पश्चात पुन: फिर लगाएं व ताजे पानी से चेहरा धो लें। चेहरे पर कांति आएगी।
- बेसन व दही को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर नियमित रूप से लगाएं। सूखने पर साफ पानी से साफ करें।
- चन्दन की लकड़ी को पत्थर पर घिस लें। इसनें गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर आधे घंटे तक लगाएं। फिर ताजे पानी से धो लें। चेहरे पर अद्भुत निखार आएगा।
- टमाटर व नींबू के रस को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर नियमित रूप से प्रयोग करें। यह लेप भी आधे घंटे तक लगा रहने दें। इसके पश्चात् पानी से साफ करें।
- रोजाना सोने से पहले जैतून के तेल में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर मलें। चेहरे का रंग साफ होगा।
- एक चम्मच नींबू के रस में, दो चम्मच शहद मिलाकर गुनगुना करें। इसे एक घंटे तक चेहरे पर लगाने से पश्चात् चेहरा धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

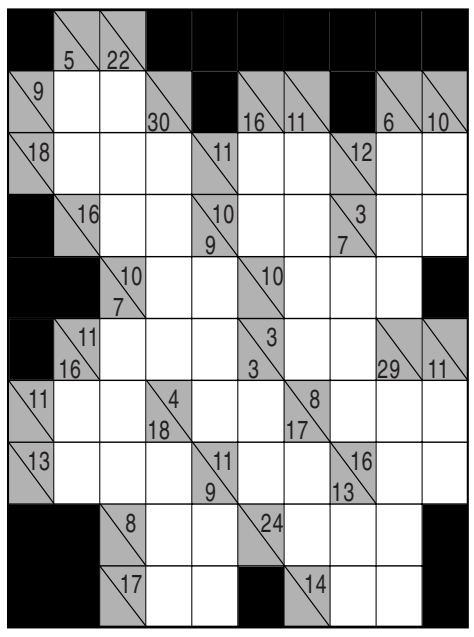
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

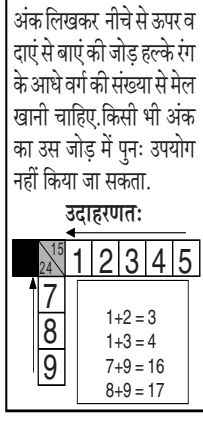
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2009

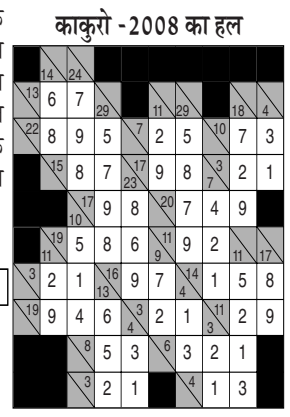


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो -2008 का हल



लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

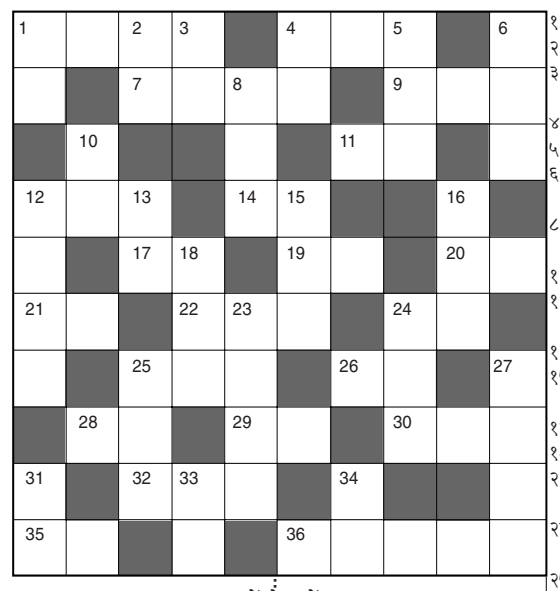
□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2009



बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-२
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2008

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -2009

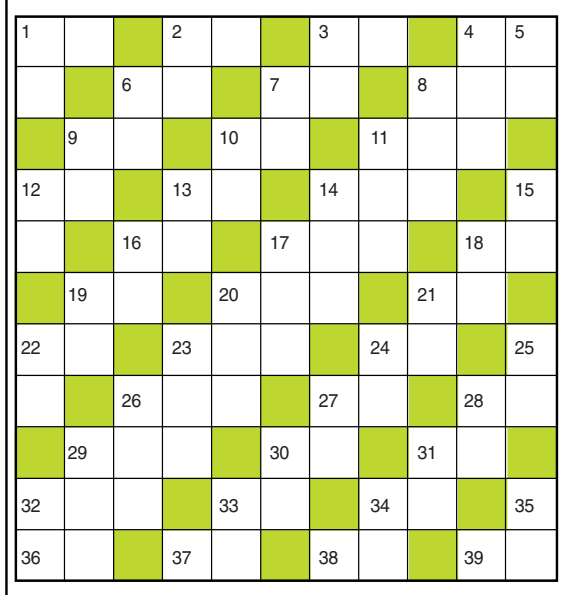
7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2008 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली -2009



बाएँ से दाएँ

1. बरस,वर्ष-2
2. आफत,मुसीबत-2
3. यमराज-2
4. तीर, बाण-2
6. आनेवाला दिन-2
7. उत्साह-2
8. उचित, सही-3
9. बंधन-2
10. बाण-2
11. उपवन, जंगल-3
12. सरिता-2
13. शिविर, तंबू-2
14. रुई साफ करना-3
16. फंदा, पाश-2
17. भीरु, डरपोक-3
18. तालाब -2
19. सम्मान-2
20. पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21. श्याम,काले रंग का-2
22. देह, तन, बदन-2
23. चुनना, छांटना-3
24. रघुवीर, सियावर-2
26. जलजला-3
27. कोलाहल-2
28. अवरोध-2
29. दलदल-3
30. पत्नी का भाई-2
31. रिवाज, रस्म-2
32. कक्ष, रूम-3
33. गधा, गर्दभ-2
34. जनकपुत्री-2
36. वोट, राय-2
37. विजय-2
38. मां का भाई-2
39. मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1. परछाई-2
2. दम, ताकत-2
3. यमराज-2
4. सोना, निद्रा लेना-3
5. धूल, मिट्टी-2
6. शारीरिक ऊंचाई-2
7. बल, दम-2
8. पहचानना-3
9. बंधक-2
10. मोमबत्ती (उर्दू-2)
11. विवश-3
12. भीगा हुआ-2
13. क्रीड़ा-2
14. सहमत-3
15. फंदा-2
16. प्राण-2
17. आकांक्षा-3
18. लॉक-2
19. प्रकृति, धन-2
20. धावक-3
21. कार्य-2
22. सवारी गाड़ी-2
23. जंगल-3
24. झगड़ा-2
25. सरल-2
26. कूड़ा-3
27. अंगारा-2
28. वार्तालाप-2
29. दाम, मूल्य-3
30. सारांश-2
31. खाली-2
32. थोड़ा-2
33. पत्र, चिट्ठी-2
34. हद-2
35. बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2008 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	खु		न	भ		रा	ल

एसबीआई पर साइबर हमला : हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

सौरव और रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने पर फैसला सुरक्षित, पुलिस ने तीन दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी



नई दिल्ली । सीजेपी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग पर बुधवार को एसईएम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। पुलिस ने दोनों की न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग की। अदालत ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि दोनों नेताओं को 13 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया था और 14 अक्टूबर को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद 19 अक्टूबर को हुई सुनवाई में अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी थी। अब पुलिस ने एक बार फिर हिरासत बढ़ाने की मांग की है। इससे पहले सौरव दास और आशुतोष रांका ने एसईएम की ओर से न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने के फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान जब अदालत को बताया गया कि दोनों की उम्र क्रमश : 27 और 31 वर्ष है, तो न्यायाधीश ने टिप्पणी की, इसका मतलब है कि आप जेन-जी नहीं हैं।

जम्मू में नशा तस्करों पर शिकजा कसेगी पुलिस, सुरक्षा ग्रिड होगा मजबूत : आईजीपी सिंह

जम्मू । जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) तेजिंदर सिंह ने कहा कि पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ अपने अभियान को तेज करेगी और सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करेगी। आईजीपी सिंह ने यह बात पुलिस स्मृति दिवस' के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में परेड की सलामी के दौरान कही। आईजीपी सिंह ने पुलिसिंग के महत्व पर जोर देकर कहा कि जरूरी है कि पुलिस का अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभाव और उपस्थिति स्पष्ट रूप से नजर आए। उन्होंने कहा, ''सुरक्षा के दृष्टिकोण से, चाहे वह सीमा हो, नियंत्रण रेखा (एलओसी) हो या आंतरिक सुरक्षा का पहलू हो, हम सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा शांति-सौहार्द बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने वाले है। आईजी ने मादक पदार्थ रोधी अभियान के बारे में कहा कि संपत्तियों को जब्त करने और बरामदगी करने से जुड़ी मुहिम लगातार जारी है तथा हाल में कुछ अतिरिक्त बरामदगियां भी की गई हैं।

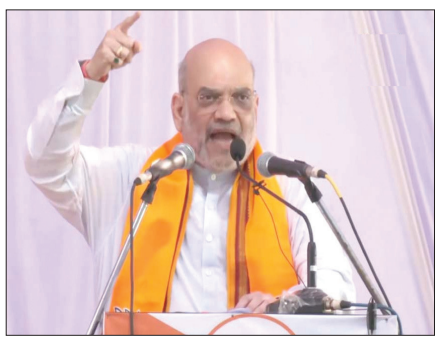
केंद्रीय मंत्री शाह की भीष्म प्रतिज्ञा : 31 दिसंबर 2029 तक भारत होगा नशा मुक्त

नेशनल पुलिस मेमोरियल बनवा कर पीएम मोदी ने दिया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए 31 दिसंबर 2029 तक भारत को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने सभी राज्यों और सुरक्षा एजेंसियों से व्यापक अभियान में एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद देशवासियों और सुरक्षा बलों को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों की समस्या देश के विकास को बाधित कर सकती है और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल सकती है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय ने अगले साढ़े तीन वर्षों (2026 के शेष, 2027, 2028 और 2029) के भीतर नशे के खिलाफ एक एकीकृत अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

इस मौके पर, भाजपा नेता ने देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बहादुर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में जवानों की वीरता,



अनुशासन और संयम की सराहना की। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि देश अभी भी कई चुनौतियों से मुक्त नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस बल ने कई दशकों पुरानी समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत को नक्सलवाद से मुक्त करने में पुलिसकर्मियों के प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) तथा राज्य पुलिस बलों द्वारा लोकतंत्र की रक्षा में निभाई गई अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों का उदाहरण दिया, जहां पहली बार चुनाव से जुड़ी हिंसा में किसी की जान नहीं गई। उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी चुनाव हिंसा को समाप्त करने में पुलिस की भूमिका का उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने और नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह खत्म करने में मिली सफलताओं का जिक्र किया, जिन्हें दशकों से आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां माना जाता था। उन्होंने 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेशनल पुलिस मेमोरियल के उद्घाटन की सराहना की, जो कि शहीद पुलिसकर्मियों को सम्मान देने और उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आजादी के करीब आठ दशकों में भारत ने वैश्विक मंच पर जो सम्मानजनक स्थान हासिल किया है, उसकी नींव में हमारे बहादुर जवानों का बलिदान है। उन्होंने कहा कि इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने अपनी आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान न दिया होता, तब देश आज इस मुकाम पर नहीं होता।

दशहरा पर कॉकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता सौरभ ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा में रामलीला के आयोजकों के खिलाफ एलजी और दिल्ली पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अपनी शिकायत में भारद्वाज ने श्रीकेशव रामलीला कमेटी के आयोजकों दिल्ली के मंत्री और



कमेटी के सदस्य कपिल मिश्रा जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी थे और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉकरोच के पुतले से प्रभावित होने वाले लोग देश की राजनीति के दीमक हैं। दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी इलाके में मंगलवार को दशहरा समारोह के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ कॉकरोच के 30 फुट ऊंचे पुतले का भी दहन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों के बाद कॉकरोच का पुतला जलाए जाने के कार्यक्रम ने ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाने का उद्देश्य गंदगी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपनी शिकायत में कहा कि पारंपरिक पुतलों के साथ कॉकरोच का पुतला जलाने के आयोजकों के फैसले से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया मंचों से इससे संबंधित तस्वीरों, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को हटाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

रिजिजू का तीखा हमला- सपा बात कर सकती है तो कांग्रेस क्यों नहीं?

-महिला आरक्षण, परिसीमन को लेकर राहुल पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कांग्रेस और विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सरकार के साथ बातचीत न करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद को धोखा दे रही है, क्योंकि वह सरकार के साथ चर्चा करने के लिए आगे नहीं आ रही है। रिजिजू ने दावा किया कि सरकार ने कांग्रेस को 10 से अधिक बार बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को तीन पत्र लिखे हैं और राहुल गांधी से भी व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें चर्चा के लिए बुलाया है। मंत्री ने हैरानी जताई कि समाजवादी पार्टी, डीएमके, वाईएसआरसीपी, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी जैसे अन्य विपक्षी दल सरकार के साथ बातचीत कर अपनी चिंताएं सामने रख चुके हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा करने को तैयार नहीं है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी इच्छा और योजना के मुताबिक सदन चलाना चाहती है और राहुल गांधी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को पारित करने की राह में बाधा डाल रहे हैं। एक साक्षात्कार में, रिजिजू ने यह भी संकेत दिया कि मल्लिकार्जुन खरगे व्यक्तिगत बातचीत में इस मुद्दे पर अधिक सहमत हो सकते हैं, अगर वे राहुल गांधी के प्रभाव से बाहर आएं। उन्होंने राहुल गांधी के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि यदि वह इस मुद्दे को गंभीरता से समझते, तो इसका विरोध नहीं करते। परिसीमन पर विपक्षी दलों की चिंताओं पर रिजिजू ने बताया कि बीजू जनता दल और डीएमके सहित कुछ दलों ने यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि प्रक्रिया में सभी राज्यों को समान रूप से लाभ मिले और लोकसभा में किसी भी राज्य की सीटों का मौजूदा आनुपातिक हिस्सा कम न हो। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने प्रतिबद्धता जताई है कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी और सभी राज्यों को आनुपातिक रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि 1971 में हुए पिछले परिसीमन के बाद से देश की आबादी में काफी वृद्धि हुई है, ऐसे में लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त न किए जाने के विवाद पर रिजिजू ने कहा कि यह संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं है और पहले भी ऐसे उदाहरण रहे हैं। उन्होंने विपक्षी आशंकाओं को खारिज किया कि इसका संबंध किसी विशेष सत्र बुलाने से है।

बीजेपी के राहुल गांधी के वियतनाम जाने वाली बात पर कांग्रेस ने शेयर की तस्वीर

कहा- राहुल और प्रियंका गांधी ने विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के छात्रों से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को छात्रों से मुलाकात की। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बीजेपी ने दावा किया है कि वो वियतनाम गए हुए हैं। कांग्रेस ने तस्वीर शेयर कर कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के छात्रों से नई दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि छात्रों ने संस्थान में पढ़ाई की गुणवत्ता, मेंटरशिप और स्टडी मटेरियल में आई भारी गिरावट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं। उन्होंने बताया कि फीस रिफंड की उनकी मांगों पर प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हमलावर राहुल गांधी लगातार सड़कों पर नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली में कई मार्च में भाग लिया। 18 अक्टूबर



को वो गोवा में पार्टी के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान भी उन्होंने एसआईआर को लेकर बीजेपी को घेरा। इस बीच बीजेपी ने 19 अक्टूबर को वीडियो शेयर किया और राहुल गांधी के वियतनाम में होने का दावा करते हुए कहा कि 'झूठ फैलाते-फैलाते थक गया... कुछ दिन वियतनाम घूम आता हूं... किसी को क्या पता चलेगा!'

राहुल गांधी पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत के बयान पर बीजेपी ने एक्स पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी वियतनाम में किससे मिलने वाले हैं? देश की सीमाओं के बाहर ऐसी कौन-सी प्लानिंग हो रही है? उनके भारत लौटने के बाद ऐसा क्या बदल जाएगा? आखिर संजय राउत ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं? देश की जनता इन सवालों के जवाब जानना चाहती है। नया भारत जागरूक है, सजग है और देशहित के प्रति प्रतिबद्ध है।

बीजेपी के नेता रवनीत बिट्टू ने दावा किया कि राहुल गांधी अपने कुछ जैन दोस्तों के साथ विदेश में मौज-मस्ती कर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी विदेश छुट्टी पर गए है। बीजेपी के हमलों पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि पीएम मोदी तो इंडिया गेट पर बैठे हुए हैं। पीएम कहां-कहां घूम रहे हैं, उसपर सवाल नहीं होंगे। वहीं टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने कहा कि राहुल गांधी चार दिनों के लिए वियतनाम गए हैं। वो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें बीजेपी को क्या चिंता है।

दशहरा पर रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, सांस लेना हुआ दुश्वार

नई दिल्ली,एजेंसी। दशहरा पर हुए रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ गया है। बम-पटाखों की धुंध, धूल और शुष्क मौसम ने मिलकर ऐसी घुटन पैदा कर दी है जिससे लोगों का सांस लेना दुश्वार हो रहा है। न आसमान दिखाई दे रहा है न सूर्य की लालिमा, बल्कि दूर दूर तक बस धुंध का गुबार नजर आ रहा है। बुधवार का एक्यूआई स्तर सीवियर केटेगरी में पहुंच गया है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को दिल्ली-एनसीआर का मौसम धुंध भरा और शुष्क रहेगा। एनसीआर में पटाखों का धुआं और पराली जलाने का मौसम शुरू होने से हवा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। एक्यूआई के मुताबिक बुधवार की सुबह एक्यूआई 290 पहुंच गया है, जो सीवियर केटेगरी में आता है। वहीं नोएडा की बात करें तो यहां एक्यूआई 294 दर्ज किया जा रहा है।

सीएम भगवंत मान को एयरपोर्ट पर क्यों रोका गया, जल्द दिया जाए स्पष्टीकरण: उदित राज

कांग्रेस नेता ने सीजेपी को आम आदमी पार्टी की प्रॉक्सी बताया

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस नेता उदित राज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पेरिस से लौटते समय दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लेने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावों पर त्वरित और उचित स्पष्टीकरण की मांग की है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा कि जब तक सीएम मान को रोकने के कारणों को स्पष्ट नहीं किया जाएगा, तब तक सच्चाई का पता नहीं चलेगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जिस तरह से एक के बाद एक लोगों को टारगेट किया जा रहा है, वह देश के लिए सही नहीं है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली हवाई अड्डे पर तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया और उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देकर उदित राज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास दुनियाभर की जानकारी है और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका निभाता है। उन्होंने बयान पर अपनी व्यक्तिगत राय देने से इंकार कर दिया, यह कहकर कि वे पेरिस और फ्रांस की भूगोल या भविष्य की योजनाओं के बारे में अधिक नहीं जानते। रामलीला में कॉकरोच का पुतला जलाने के विवाद पर, जिसमें सीजेपी (सीजेपी) संगठन शामिल था, उदित राज ने सीजेपी को आम आदमी पार्टी की प्रॉक्सी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विवाद से संगठन को मुफ्त प्रचार मिला है और उन्हें फायदा हुआ है। उन्होंने बताया कि सीजेपी से जुड़े नेता पहले आम आदमी पार्टी में रहे हैं और जंतर-मंतर पर हुए एक घटनाक्रम में उनकी सहभागिता थी, जिसमें शामिल युवा किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होने की अपील पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, देश के दुश्मन उनके साथ ही हैं। उन्होंने आरएसएस (आरएसएस) को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताकर आरोप लगाया कि वे लगातार साजिशें रचते रहते हैं और देश के सबसे बड़े दुश्मन उनके ठीक बगल में ही मौजूद हैं।



शाह गृहमंत्री पद से दें इस्तीफा, भाजपा के चुनाव मंत्री बनकर रह गए हैं: कांग्रेस

असली रामराज्य हमेशा कांग्रेस के शासन में रहा

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुई हैं। इस बीच कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलकर केंद्रीय गृह मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि अमित शाह अब देश के गृह मंत्री नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मंत्री या प्रचार मंत्री बनकर रह गए हैं।

कांग्रेस नेता राजपूत ने देश की आंतरिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाकर कहा कि मणिपुर जल रहा है, पंजाब नशे की चपेट में है और गुजरात से हजारों करोड़ की ड्रग्स पकड़ी जा रही है। इसतरह के गंभीर हालात में भी केंद्रीय गृह मंत्री शाह को सिर्फ चुनावों की चिंता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अमित शाह को गृह मंत्री का पद छोड़कर पूरी तरह से भाजपा के चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए, क्योंकि उनका काम देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि चुनावी रैलियां करना।

कांग्रेस नेता राजपूत ने समाजवादी पार्टी प्रमुख के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर किए गए बड़े ऐलान का समर्थन कर कहा कि उन्हें यह कहने का पूरा हक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंडी गठबंधन, राहुल गांधी के नेतृत्व में देश में और अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में, गांव-गांव, नगर-नगर तक पहुंच बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अब और तेज होगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने इस लड़ाई को वोट चोरों, संविधान चोरों, तिरंगा जलाने वालों और युवाओं के रोजगार छीनने वालों के खिलाफ बताया। उन्होंने भाजपा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं, जैसे राहुल गांधी और अखिलेश यादव, को बदनाम करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि असली रामराज्य हमेशा कांग्रेस के शासन में रहा है, जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी भाई-भाई की भावना से रहते हैं। उनके अनुसार, सांप्रदायिकता में रामराज्य नहीं, बल्कि रावण राज्य होता है।

वहीं आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के बयान पर प्रतिक्रिया देकर जिसमें उन्होंने रामलीला में कांग्रेस का पुतला जलाने को हिंदू आस्था को आहत करने वाला बताया था, राजपूत ने कहा कि किसी का भी पुतला जलाना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पुतला जलाने और निम्न स्तर के विरोध की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने ही की थी, और अब भाजपा राहुल गांधी का पुतला जलाकर अपनी वैचारिक गिरावट प्रदर्शित कर रही है। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत का जिक्र कर राजपूत ने कहा कि आज देश में तिरंगा लहराने पर लोगों को देशद्रोही बताकर जेल में बंद किया जा रहा है। उन्होंने इस काम को अंग्रेजों के शासन जैसा बताकर कहा कि तिरंगा लहराने पर जेल में बंद करना सिर्फ अंग्रेजों के समय में होता था, लेकिन अब अंग्रेजों के मानस पुत्रों के शासन में भी ऐसा हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि तिरंगे का अपमान करने वाले चाहे भाजपा, संघ, विश्व हिंदू परिषद या दिल्ली पुलिस हों, सभी को मुंह की खानी पड़ेगी।

सांसद पप्पू यादव की मंच पर बिगड़ी तबीयत, चक्कर आने से हुई अफरा-तफरी

कटिहार , एजेंसी। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की कटिहार में एक दुर्गा पूजा कार्यक्रम के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। मंच पर श्रोताओं को संबोधित कर उन्हें अचानक चक्कर आ गया, जिससे वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना पोठिया दुर्गा मंदिर में हुई, जहां सांसद पप्पू यादव दुर्गा पूजा मेला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद जब वह दर्शकों और श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें अचानक कमजोरी महसूस हुई और वे मंच पर ही रेलिंग पकड़कर बैठ गए। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उनकी मदद की। उनके सिर पर पानी डाला गया और चेहरे पर पानी के छींटे मारे गए।

शिंदे का उद्धव पर हमला... चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री बन गए

मुंबई, एजेंसी । शिवसेना की दशहरा रैली को संबोधित कर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवेसना यूबीटी नेता और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने 2019 के



विधानसभा चुनाव के बाद हुए गठबंधन को 'जनादेश की डकैती' करार देकर आरोप लगाया कि उद्धव ने चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री का पद हथियाया, जो मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा धोखा था। उप मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ''आपने चुनाव भी नहीं लड़ा था, आप पिछले दरवाजे से आए और मुख्यमंत्री बन गए। यह जनादेश के खिलाफ एक बड़ी डकैती थी।''

उप मुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाकर कहा कि जब तेलंगाना, कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव जीतते हैं, तब उन्हें ईवीएम या 'वोट चोरी' की याद नहीं आती, लेकिन हारने पर बेबुनियाद आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि असल 'वोट चोरी' 2019 में हुई थी, जब अविभाजित शिवसेना ने कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधकर डिप्टी सीएम शिंदे ने उस दस सिरों वाले राक्षस राजा रावण जैसा बताया और आह्वान किया कि इसका पुतला जलाया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को 70 वर्षों तक देश को लूटने और 'बूथ कैप्चरिंग' के माध्यम से चुनाव जीतने का दोषी ठहराया। डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए संविधान को कमजोर करना चाहता है और उसकी यह 'रोज की नई नौटंकी' है। किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताकर डिप्टी सीएम शिंदे ने घोषणा की कि सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे किसानों के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि दिवाली मनाने में मदद के लिए प्रभावित किसानों को 100 टन अनाज भेजा गया है। डिप्टी सीएम शिंदे ने स्पष्ट किया कि वह केवल भाषण देने के बजाय जमीनी स्तर पर काम करने में विश्वास रखते हैं।

टी20 सीरीज: वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता



भुवनेश्वर की स्विंग से न्यूजीलैंड को खतरा



भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटनर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेगा? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन



ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाईं और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण



आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोडियम के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी थ्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की उम्र में हुआ हादसा, फिर भी नहीं मानी हार

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्तूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं।हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से भी सहायता मिली है। खेल में योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया



सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है। नागोया में उनका रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन इसी लंबे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर थ्रो करते हैं और कूल्हों तथा पैरों की मदद से फेंकने की ताकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक ने भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

फ्रेंच ओपन

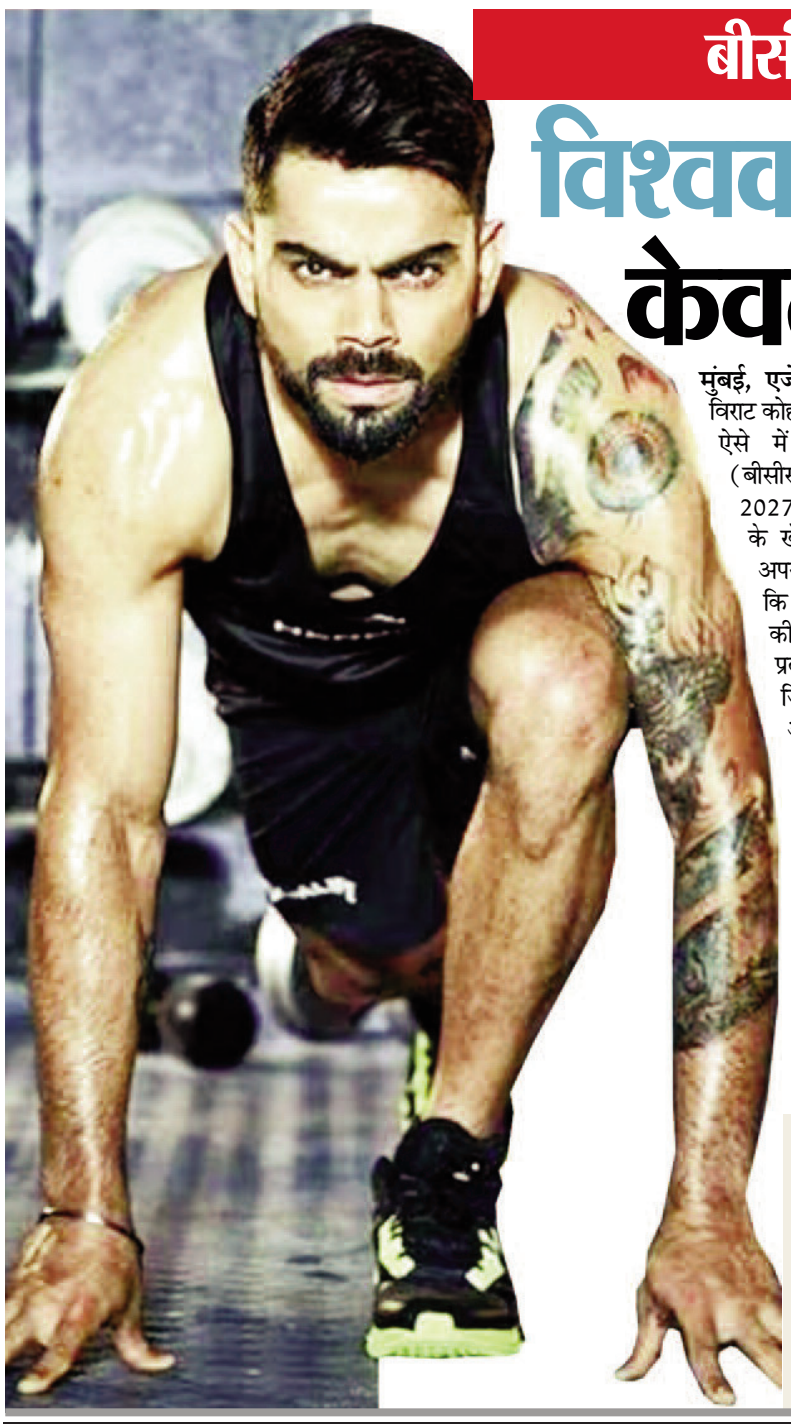
सात्विक-चिराग बाहर, अस्मिता और तन्वी अगले दौर में



नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अस्मिता चालिहा और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने चीन की हैंग कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक चले मुकाबले में अस्मिता ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौंकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार





मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने 2027 वनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।

उम्र नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मन्हास ने स्पोर्टस्टार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और वनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मन्हास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, हार्दिक (पांड्या) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।'मन्हास ने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'

विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र!

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया।रोहित के वनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।





जैकी श्रॉफ के बड़े भाई को लोग मानते थे असली 'दादा', सुनाया किस्सा

हाल ही में अपने लोकप्रिय नाम 'जग्गू दादा' के पीछे की भावुक कहानी बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने साझा की थी। बॉलीवुड अभिनेता ने बताया कि जिस चॉल में उनका बचपन बीता, वहां उनके बड़े भाई को लोग असली 'दादा' मानते थे। उनके भाई जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे, उनके लिए हर समय खडे रहते थे।

भाई के इसी स्वभाव ने जैकी श्रॉफ को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर उन्होंने भी उनकी तरह लोगों की मदद करने का रास्ता चुना। एक लोकप्रिय चैट शो में बातचीत के दौरान जैकी ने अपने बचपन की एक दर्दनाक घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश करते समय उनके बड़े भाई समुद्र में डूब गए थे। उनके भाई को तैरना नहीं आता था। जैकी उस समय महज 10 साल के थे और घटना के दौरान बेहद डरे हुए थे। उन्होंने भाई को बचाने के लिए एक रस्सी या केबल फेंकी। भाई ने उसे पकड़ भी लिया, लेकिन वह उनके हाथ से फिसल गई और वे समुद्र में डूब गए। जैकी ने बताया कि अपने भाई को आंखों के सामने डूबते देखना उनके जीवन का सबसे भयावह अनुभव था। उन्होंने कहा कि वह उस समय इतने छोटे और डरे हुए थे कि समुद्र में कूदने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें लगता था कि ऐसा करने पर वह खुद भी डूब सकते थे। अपने भाई को खोने का दर्द उनके साथ लंबे समय तक रहा, क्योंकि भाई उनके लिए केवल परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि रक्षक और प्रेरणा भी थे। अभिनेता के मुताबिक, उनके बड़े भाई की निस्वार्थ भावना ने उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।

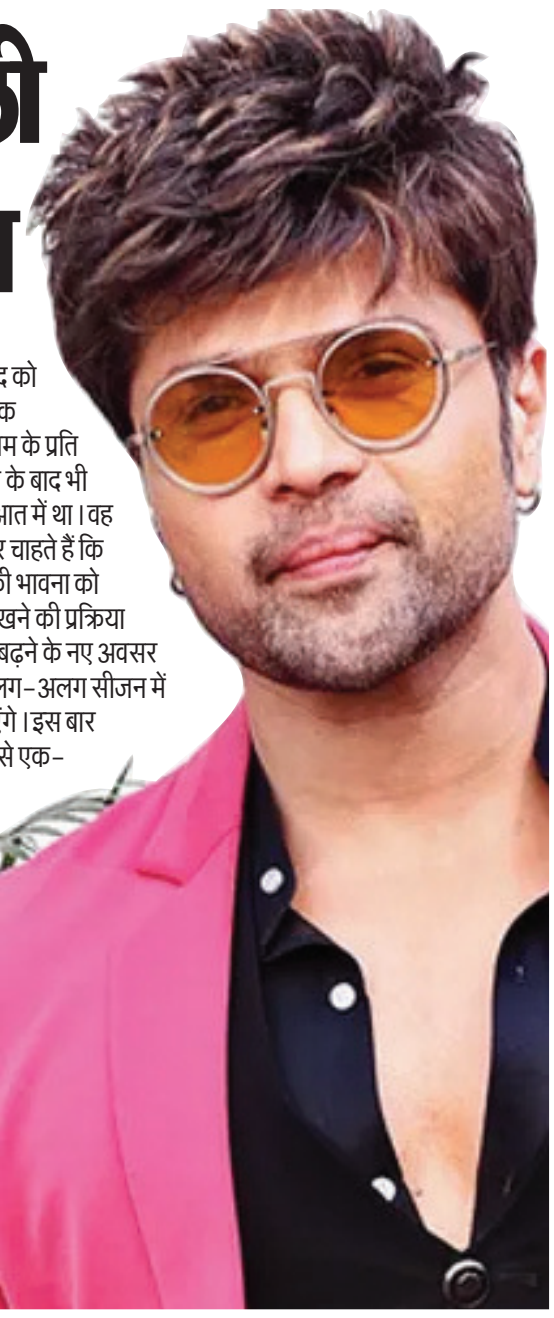
इसी वजह से उन्होंने अपने भाई के आदर्शों को अपनाया और लोगों के बीच 'जग्गू दादा' के नाम से पहचान बनाई। बताया जाता है कि कई साल बीत जाने के बाद भी जैकी उस चॉल में जाते हैं, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। जैकी श्रॉफ का फिल्मी सफर भी काफी लंबा और विविधतापूर्ण रहा है। उन्होंने वर्ष 1982 में देव आनंद की फिल्म 'स्वामी दादा' में छोटी भूमिका से शुरुआत की थी। इसके बाद 1983 में सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' से बतौर मुख्य अभिनेता पहचान हासिल की। आगे चलकर उन्होंने 'अंदर बाहर', 'कर्मा', 'राम लखन', 'त्रिदेव', 'परिंदा', 'सौदागर', 'खलनायक', 'रंगीला', 'बॉर्डर', 'देवदास', 'धूम 3', 'भारत' और 'सूर्यवंशी' जैसी कई फिल्मों में काम किया।

बॉक्स ऑफिस पर जेलर 2 का तूफान

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर 2 ने रिलीज के दो दिनों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 210.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जिन्होंने 2023 में रिलीज हुई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सन पिक्चर्स बैनर तले कलानिधि ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 125.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 85.4 करोड़ रुपये की कमाई की। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 113.65 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जेलर फिल्म रजनीकांत के किरदार, रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी वर्दी उतारने के बाद अपने परिवार के साथ एक शांत जीवन बिता रहे होते हैं।



सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज पर्याप्त नहीं: हिमेश रेशमिया



बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया का मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलने, नए प्रयोग करने और अपनी कला को लगातार निखारने की जरूरत होती है। हिमेश रेशमिया आजकल सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में सुपरस्टार जज के रूप में चर्चा में हैं। उनका कहना है कि किसी प्रतियोगी का मूल्यांकन करते समय केवल उसकी गायकी की तकनीक पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि उसकी अपनी पहचान कितनी मजबूत है, उसमें आगे बढ़ने का कितना जुनून है और वह अपनी प्रतिभा के दम पर दर्शकों से किस तरह जुड़ पाता है।

हिमेश रेशमिया ने कहा कि जज की भूमिका सिर्फ अच्छी आवाज पहचानने तक सीमित नहीं होती, बल्कि कलाकार की क्षमता, आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के साहस को समझना भी जरूरी है। हिमेश ने अपने संगीत सफर का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने खुद महसूस किया है कि सफलता के साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। ऐसे में कलाकार को अपनी पुरानी उपलब्धियों पर निर्भर रहने के बजाय लगातार कुछ नया सीखने और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। उनके मुताबिक, खुद को बदलने का अर्थ केवल अपनी छवि में बदलाव करना नहीं है, बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देना, नए प्रयोग करना और अपने काम के प्रति जुनून बनाए रखना है। गायक ने बताया कि हजारों हिट गाने देने के बाद भी संगीत के प्रति उनका उत्साह वैसा ही है, जैसा करियर की शुरुआत में था। वह हर नए संगीत प्रोजेक्ट को नई संभावनाओं के साथ देखते हैं और चाहते हैं कि शो में भाग लेने वाले कलाकार भी इसी उत्सुकता और सीखने की भावना को बनाए रखें। उनका मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अनुभव और सफलता के बावजूद आगे बढ़ने के नए अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में अलग-अलग सीजन में अपनी पहचान बना चुके गायक एक बार फिर मंच पर नजर आएंगे। इस बार शो में 12 जोड़ियां हिस्सा लेंगी, जो अपनी गायकी और प्रस्तुति से एक-दूसरे को चुनौती देंगी।

बॉलीवुड डेब्यू सपना सच होने जैसा ईशा मालवीय

बॉलीवुड में कदम रखने जा रही अभिनेत्री ईशा मालवीय का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड फिल्म में काम करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बड़े पर्दे पर नई पारी शुरू करने को लेकर ईशा बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, पहली फिल्म होने के कारण उनके मन में घबराहट भी है, लेकिन इस नए सफर की खुशी उनके डर पर भारी है। मीडिया से ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कई बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पहली फिल्म होने की वजह से वह नर्वस हैं और मन में डर भी है, लेकिन उनकी खुशी इससे कहीं ज्यादा है।

एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, संघर्ष और माता-पिता के योगदान को भी दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं। अब तक उन्होंने जो मेहनत की और जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया, उसका परिणाम सामने आ रहा है। इस सफर में उनके माता-पिता ने भी कई परेशानियां झेली हैं। ऐसे में बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए बेहद भावुक और खुशी का पल है। ईशा ने बताया कि कई बार उन्हें अब भी यकीन नहीं होता कि वह वास्तव में किसी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे वह कोई सपना देख रही हों। हालांकि, जब वह फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि उनका सपना हकीकत बन रहा है। उन्होंने इस अनुभव को खास बताते हुए कहा कि वह अपने करियर के इस नए अध्याय को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' की कहानी के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सरल और खूबसूरत प्रेम कहानी देखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, आजकल फिल्मों में हिंसा और खून-खराबे की अधिकता को लेकर दर्शक सवाल उठाते हैं। ऐसे में एक सीधी-सादी प्रेम कहानी की जरूरत महसूस होती है। इसी सोच के साथ फिल्म दर्शकों के सामने लाई जा रही है। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो' एक म्यूजिकल फिल्म है। इसमें ईशा मालवीय के साथ अभिनेता गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।





फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना रोमांचक: कश्मीरा शाह

स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में अभिनेत्री और फिल्ममेकर कश्मीरा शाह ने अपने दूसरे निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म की शूटिंग ग्रीस में की जा रही है। सोशल मीडिया पर शूटिंग से जुड़ी कुछ झलकियां साझा करते हुए कश्मीरा ने अपने नए सफर को लेकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि ग्रीस में फिल्म की शूटिंग करना केवल लोकेशन का चुनाव नहीं है, बल्कि यह जगह उनकी कहानी का एक महत्वपूर्ण किरदार भी है। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना उनके लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा कि अपने सपने को साकार होते देखना गर्व की बात है। अभिनेत्री ने अपने संदेश में लोगों को सपनों पर विश्वास करने और उन्हें पूरा करने के लिए अपने सहज दायरे से बाहर निकलने की प्रेरणा भी दी। उनके मुताबिक, जब इंसान अपने लक्ष्य पर भरोसा रखता है और उन्हें पूरा करने के लिए साहस दिखाता है, तो आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलते हैं। कश्मीरा ने अपनी पोस्ट में फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों के लिए पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने ग्रीस को फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अपनी शर्तों पर कहानियां कहने के अवसर को खास मानती हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म की कहानी, कलाकारों और रिलीज से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। कश्मीरा शाह निजी जिंदगी और पेशेवर कामों को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपने लंबे समय के साथी और अभिनेता-कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से वर्ष 2013 में शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात श्याम सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों का रिश्ता आगे बढ़ा और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

हाल ही में कश्मीरा और कृष्णा मनोरंजन आधारित कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के तीसरे सीजन में नजर आए हैं। इस कार्यक्रम में अली गोनी, जन्नत जुबैर, एल्विश यादव, ईशा मालवीय, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, गुरमीत चौधरी, देबिना बनर्जी, विवियन डीसेना और ईशा सिंह जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शो की मेजबानी भारती सिंह करती हैं, जबकि शेफ हरपाल सिंह सोखी निर्णायक की भूमिका निभाते हैं। कश्मीरा हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह 'बिग बॉस' के पहले सीजन, 'नच बलिए 3' और 'खतरों के खिलाड़ी 4' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' से उन्हें खास पहचान मिली थी। अब निर्देशन के क्षेत्र में अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी रचनात्मक पहचान को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

टाइगर पर हमले, सलमान की बढ़ी सुरक्षा

रविवार शाम जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के घर के बाहर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मी और पुलिस की गाड़ियां देखी गईं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे, जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे, तब अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी। अभिनेता तो गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने पुष्टि की कि जब अभिनेता क्लब परिसर से निकल रहे थे, तब उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान गुजरात तक बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने टाइगर की गतिविधियों पर नज़र रखी थी और उन्हें पता था कि वह हर रविवार फुटबॉल ग्राउंड जाते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी और अभिनेता के रूटीन को अच्छी तरह समझ लिया था।



जेमी लीवर ने कॉमेडी के लिए छोड़ी नौकरी, बनाई पहचान



कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर अपनी शानदार मिमिक्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद जेमी ने अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत का रास्ता चुना। कॉमेडी को करियर बनाने से पहले जेमी लीवर ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में नौकरी की, लेकिन मंच पर लोगों को हंसाने के जुनून ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया की ओर खींच लिया। हाल ही में जेमी लीवर ने 19 अक्टूबर अपना जन्मदिन मनाया। उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां कॉमेडी और मनोरंजन का माहौल था। उनके पिता जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय हास्य कलाकारों में शामिल रहे हैं। इसके बावजूद जेमी ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने पर ध्यान दिया। जेमी ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की और आगे की शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद उन्होंने लंदन की एक मार्केट रिसर्च कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम किया। उस समय उनकी दिनचर्या ऑफिस, मार्केट रिपोर्ट और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच गुजरती थी। हालांकि, उनके मन में मंच पर प्रस्तुति देने और लोगों को हंसाने की इच्छा लगातार बनी रही। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी क्लबों में ओपन माइक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। छोटे मंचों पर दर्शकों के सामने प्रस्तुति देने से उन्हें अनुभव मिला और अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ा। धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कॉमेडी ही वह क्षेत्र है, जिसमें वह अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। इसके बाद उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर भारत लौटने और मनोरंजन जगत में करियर बनाने का फैसला किया। जेमी की सबसे बड़ी ताकत उनकी मिमिक्री है। वह अलग-अलग अभिनेत्रियों और चर्चित हस्तियों की आवाज, बोलने के अंदाज और हाव-भाव को मजेदार तरीके से प्रस्तुत करती हैं। कंगना रनौत, फराह खान और श्रीदेवी जैसी हस्तियों की नकल करने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए। टेलीविजन कार्यक्रम 'कॉमेडी सर्कस के महाबली' में उनकी प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों के बीच पहचान बनाने में मदद की। कॉमेडी के बाद जेमी ने अभिनय में भी हाथ आजमाया। वर्ष 2015 में फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह 'हाउसफुल 4', 'भूत पुलिस', 'क्रैक' और 'यात्रियों' जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2024 में उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी शुरुआत की।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

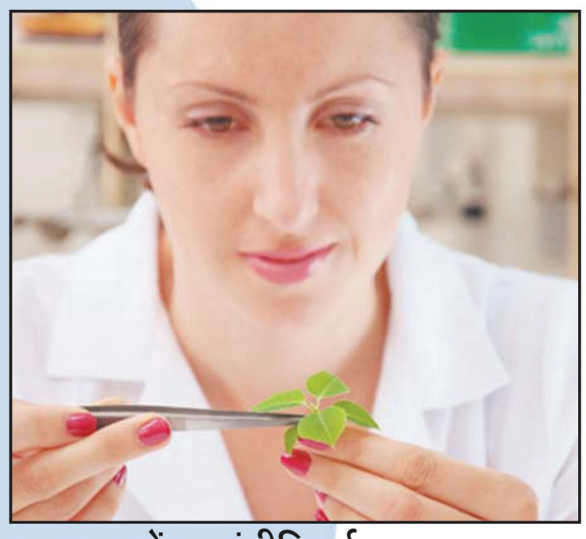


पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.



एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।



शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यतः हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

